राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक ख़बरों के साथ

वर्ष 14, अंक 322 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, सोमवार 06 अक्टूबर 2025 www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

दो साल से कम उम्र के बच्चों को न पिलाएं कफ सिरप

नई दिल्ली। मध्यप्रदेश और राजस्थान में बीते कुछ दिनों से कफ सिरप के कारण 12 बच्चों की मौत की खबर सामने आई है। एक-एक कर दम तोड़ते इन बच्चों की खबर से लोग डरे हुए हैं। वहीं अब केंद्र सरकार ने एडवाइजरी जारी की है। सरकार ने कहा है कि दो साल से कम उम्र के बच्चों को कफ और सर्दी की सिरप नहीं दी जानी चाहिए। डीजीएचएस (स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय) ने बाल रोगियों में कफ सिरप के इस्तेमाल करने के तरीके पर एडइवाइजरी जारी की है। बता दें कि एमपी के छिंदवाड़ा और राजस्थान के भरतपुर व सीकर में किडनी फेल से अब तक 12 मासूमों की मौत हो चुकी है। सरकार ने कहा, दो वर्ष से कम उम्र के बच्चों को खांसी और सर्दी की दवाएं नहीं दी जानी चाहिए। आमतौर पर पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए इनकी अनुशंसा नहीं की जाती है।

सेना प्रमुख की पाकिस्तान को चेतावनी, नक्शे से मिटा देंगे नामोनिशां

अनूपगढ़। भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने फिर पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान को सख्त अल्टिमेटम दिया और कहा कि अगर पाकिस्तान राज्य-समर्थित आतंकवाद को बंद नहीं करेगा तो उसे अपने भूगोल पर बने रहने के बारे में सोचना होगा। उन्होंने स्पष्ट कहा कि यदि पाकिस्तान ने आतंकवाद की आपूर्ति बंद नहीं की तो भारत संयम भूल सकता है। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा कि अगर पाकिस्तान दुनिया के नक्शे पर बना रहना चाहता है तो उसे हर हाल में आतंकवाद रोकना होगा, वरना हम संयम भूल जाएंगे और पाकिस्तान का नक्शे पर से नामोनिशां मिटा देंगे। राजस्थान के अनूपगढ़ में एक सैन्य चौकी पर बोलते हुए जनरल द्विवेदी ने कहा कि भारतीय सेना इस बार कोई संयम नहीं दिखाएगी। उन्होंने संकेत दिया कि अगर पाक आतंकवाद पर लगाम नहीं लगाता है और आतंकियों की सप्लाई बंद नहीं करता है, तो 'ऑपरेशन सिंदूर-2.0' दूर नहीं होगा। सेना प्रमुख ने आगे कहा कि ऑपरेशन सिंदूर 2.0 में भारत संयम नहीं रखेगा जो ऑपरेशन सिंदूर 1.0 में रखा था।

हैवान पति ने कमरे में कैमरा लगाकर पत्नी के निजी सीसीटीवी किए रिकार्ड

पुट्टेनहल्ली। जिले के एक गांव में रहने वाली एक महिला ने अपने पति सैयद इनामुल हक और ससुराल वालों के खिलाफ गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में महिला ने कहा है कि शादी के महज़ दो महीने बाद उसे पता चला कि उसका पति पहले से शादीशुदा है और उस पर शारीरिक, मानसिक शोषण और ब्लैकमेल किया जा रहा है। शिकायत के मुताबिक महिला की सगाई के लगभग दो महीने बाद, दिसंबर 2024 में सैयद इनामुल हक से शादी हुई थी। शादी के समय पति तथा ससुराल ने 340 ग्राम के सोने के आभूषण और एक यामाहा बाइक विवाह उपहार के रूप में दी थी।

बारिश का कहर : उत्तर बंगाल में सड़कें-पुल ध्वस्त

सिक्किम से संपर्क टूटा,अब तक 20 की मौत,सीएम करेंगी दौरा

दार्जिलिंग/ एजेंसी

उत्तर बंगाल और सिक्किम में लगातार हो रही भारी बारिश ने तबाही मचा दी है। दार्जिलिंग और कालिम्पोंग जिलों में पुल टूटने, भूस्खलन और बाढ़ से अब तक 20 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि कई लोग लापता हैं। प्रशासन ने आशंका जताई है कि मृतकों की संख्या और बढ़ सकती है। इस मूसलाधार बारिश से सबसे ज्यादा नुकसान दार्जिलिंग, कालिम्पोंग और सिक्किम में हुआ है। बारिश के चलते मिरिक और सुकिया इलाके में कई जगह भूस्खलन हुआ है। दार्जिलिंग जिले के मिरिक में लैंडस्लाइड से कम से कम छह लोगों की मौत हो गई है। सड़कों पर कई जगह मलबा जम गया है और यातायात पूरी तरह बाधित है। सिक्किम से संपर्क टूट गया है। जिले के कस्बों और पर्यटन स्थलों मिरिक और कुर्सेओंग को जोड़ने वाला दुदिया आयरन ब्रिज भी भरभराकर ढह गया है। भारी बारिश की वजह से फ्लिहाल सिलीगुड़ी-दार्जिलिंग स्टेट हाईवे-12 पर वाहनों की आवाजाही रोक दी गई है। एनडीआरएफ, स्थानीय प्रशासन और आपदा प्रबंधन दलों ने राहत-बचाव कार्य शुरू कर दिया है, लेकिन लगातार बारिश और फ्सिलन भरी सड़कों के कारण राहत कार्यों में दिक्कत आ रही है। प्रशासन ने लोगों से पहाड़ी रास्तों और नदी किनारों से दूर रहने की अपील की है। भयावह बाढ़ को लेकर सीएम ममता बनर्जी ने चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि बाढ़ से प्रभावित परिवारों को सरकार हर संभव मदद देगी। सीएम ने कहा कि पिछले 12 घंटों से हो रही लगातार तेज बारिश ने पूरे

राज्य में तबाही मचा दी है। इस भारी बारिश की वजह से कई लोगों की मौत हो गई और कई लोग अभी भी लापता हैं। वे सोमवार को उत्तर बंगाल दौरे पर आएंगी। इस बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति ने दार्जिलिंग आपदा पर गहरा दुख जताया है। अधिकारियों ने बताया कि यह हादसा दार्जिलिंग-सिलीगुड़ी रोड पर हुआ, जो पूर्वोत्तर राज्यों और उत्तर बंगाल को जोड़ने वाला मुख्य मार्ग है। पुल ढहने का कारण बेहद तीव्र बारिश और पहाड़ी ढलानों में मिट्टी खिसकना बताया जा रहा है। कुछ हिस्से में सड़क धंसने और मिट्टी के मलबे ने मार्ग को पूरी तरह अवरुद्ध कर दिया है। इस बीच, बंगाल पुलिस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'शनिवार रात हुई भारी बारिश के कारण दार्जिलिंग की कुछ सड़कों पर पानी भर गया, जिससे यातायात बाधित हुआ। सड़क साफ करने का काम चल रहा है और जल्द ही सामान्य यातायात बहाल होने की उम्मीद है। जो पर्यटक फंसे हुए हैं या जिन्हें सहायता की जरूरत है, वे दार्जिलिंग पुलिस नियंत्रण कक्ष से +91 91478 89078 पर संपर्क कर सकते हैं। टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने कहा कि मिरिक, जोरबंगलो सुखियापोखरी और फालाकाटा सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे प्रभावितों की मदद में सक्रिय हों। वहीं, विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि लगातार बारिश से पहाड़ी इलाकों में जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है ।

दार्जिलिंग में भूस्खलन से प्रभावित लोगों को हरसंभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध: मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि भारी बारिश एवं भूस्खलन के कारण दार्जिलिंग और आसपास के इलाकों में स्थिति पर कड़ी नजर रखी जा रही है तथा उनकी सरकार प्रभावित लोगों को हरसंभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है. उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, दार्जिलिंग में पुल दुर्घटना में लोगों की मौत होने से बहुत दु?ख हुआ है. जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है, मैं उनके प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं. घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं. प्रधानमंत्री ने कहा, भारी बारिश और भूस्खलन के मद्देनजर दार्जिलिंग तथा आसपास के इलाकों की स्थिति पर कड़ी नजर रखी जा रही है. हम प्रभावित लोगों को हरसंभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं.

पवार ने सीएम कोष पर उठाए सवाल

बारिश की मार.....झेल रहे किसानों से जबरन वसूली

मुंबई। एनसीपी (शरदचंद्र पवार) प्रमुख शरद पवार ने महाराष्ट्र में हाल ही में हुई अत्यधिक वर्षा के कारण किसानों और फसलों को हुए भारी नुकसान पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने विशेष रूप से गन्ने की फसलों को हुए व्यापक नुकसान का मुद्दा उठाया और इस स्थिति से निपटने के लिए राज्य सरकार के फैसलों पर कड़ी आलोचना की। पवार ने वसंतदादा शुगर इंस्टीट्यूट के आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि मराठवाड़ा और पश्चिमी महाराष्ट्र के कई इलाकों में गन्ने की फसलों को गंभीर नुकसान पहुंचा है। उन्होंने कहा, 'इस नुकसान का विस्तृत आकलन आवश्यक है।' इस क्षति के मूल्यांकन और आगे की रणनीति पर चर्चा करने के लिए कल (12 तारीख को) एक गवर्निंग काउंसिल की बैठक बुलाई गई है, जिसमें राज्य की सभी चीनी मिलें शामिल होंगी।

प्रधानमंत्री नई दिल्ली के विज्ञान भवन में विभिन्न युवा-केंद्रित पहलों के अनावरण के अवसर पर आयोजित कौशल दीक्षांत समारोह में उपस्थित थे।

योगी का अधिकारीयों को निर्देश

सभी विभाग मिलकर साझा कार्ययोजना बनाएं रखें.....

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि अलग-अलग विभागों द्वारा अलग-अलग कार्य करने से योजनाओं में अनावश्यक देरी होती है, इसलिए सभी विभागों को मिलकर साझा कार्ययोजना बनानी चाहिए तथा उसका समयबद्ध ढंग से क्रियान्वयन सुनिश्चित करना चाहिए। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक योगी आदित्यनाथ ने नगर विकास विभाग की एक उच्चस्तरीय बैठक में शहरों के विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया कि विकास कार्य नियोजित और समन्वित तरीके से किए जाएं। मुख्यमंत्री ने बिना मानक और नगर निकायों की अनुमति के विकसित की जा रहीं कॉलोनियों और बस्तियों पर प्रारंभिक स्तर पर ही रोक लगाने के सख्त निर्देश दिए।

किरन रिजिजू ने राहुल गांधी को लिया आड़े-हाथ

विदेश जाकर देश विरोधी बयान देने वाले पहले नेता-किरन रिजिजू

नई दिल्ली/ एजेंसी

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी एक बार फिर विदेश में दिए गए अपने भाषण को लेकर चर्चा में है। भाजपा कोलंबिया में उनके द्वारा लोकतंत्र को लेकर कही गई बातों को देश विरोधी बताते हुए हमलावर है, जिसके चलते दोनों दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का बाजार भी गर्म हो गया है। ऐसे में अब केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने भी राहुल गांधी को आड़े-हाथ लेते हुए उनके बयानों की आलोचनी की है। रिजिजू ने कहा कि अब तक कोई भी विपक्ष के नेता (लीडर ऑफ द ऑपोजीशन) विदेश जाकर देश या सरकार के

खिलाफ बयान नहीं देता था, लेकिन राहुल गांधी पहले ऐसे नेता हैं जिन्होंने विदेश में जाकर देश, हमारे सिस्टम और लोकतंत्र के खिलाफ बात की है। उन्होंने नाम लेकर इंदिरा गांधी, लाल कृष्ण आडवाणी, अटल बिहारी वाजपेयी, सुषमा स्वराज और शरद पवार जैसे नेताओं का उदाहरण दिया। न्यूज एजेंसी से बातचीत के दौरान केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि राहुल गांधी ने कोलंबिया में कहा कि भारत विश्व नेतृत्व नहीं कर सकता, यह बात पूरी तरह गलत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत कई क्षेत्रों में आगे बढ़ रहा है। अगर विदेशों में यह छवि जाए कि भारत के लोग राहुल गांधी जैसे हैं, तो देश की छवि खराब होगी।उन्होंने यह भी कहा कि भारत में कई बुद्धिमान नेता और अच्छे विचारधारा वाले लोग हैं, लेकिन राहुल गांधी जैसे बयान से ऐसा लगता है कि ऐसे लोग देश में अधिक हैं, जो सही नहीं है। रिजिजू ने इस बात पर भी जोर दिया।

वैष्णो देवी यात्रा 7 अक्टूबर तक स्थगित, मौसम विभाग की चेतावनी के बाद लिया गया फैसला

कटरा। माता वैष्णो देवी की यात्रा को खराब मौसम के कारण 5 अक्टूबर, रविवार से 7 अक्टूबर तक रोक दिया गया है। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा को देखते हुए यह बड़ा फैसला लिया है। यह फैसला भारत मौसम विज्ञान विभाग की ओर से जारी की गई चेतावनी के मद्देनजर किया गया है। बता दें कि इससे पहले अगस्त में यात्रा मार्ग में लैंडस्लाइड की वजह से हुई तबाही के बाद 22 दिनों तक यात्रा रुकी थी। उस हादसे में 34 लोगों की जान चली गई थी। श्राइन बोर्ड ने शुक्रवार को की मौसम संबंधी सलाह को देखते हुए तीर्थयात्रा को स्थगित करने की घोषणा की।

नए वोटर कार्ड से बिहार चुनाव में करेंगे मतदान

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश बोले 22 नवंबर से पहले ही चुनाव.....

पटना/ एजेंसी

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले हुए मतदाताओं के विशेष गहन पुनरीक्षण के बाद आम मतदाताओं के मन में बड़ा सवाल था कि वोटर कार्ड बदल दिए जाएंगे पहले वाले वोटर कार्ड बेकार हो जाएंगे ऐसा सवाल इसलिए भी था क्योंकि विशेष गहन पुनपरीक्षण में 2003 के बाद मतदाता सूची में शामिल वोटरों को अपने कागज और तस्वीर भी देनी थी। कहा भी गया था कि उनका डाटा उसी हिसाब से अपडेट किया जाएगा। अब देश के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने साफ किया है कि जिन

मतदाताओं की जानकारी में किसी तरह का अपडेट या बदलाव हुआ है, उन्हें नया वोटर कार्ड जारी किया जाएगा। बाकी को इसकी जरूरत नहीं पड़ेगी। उन्होंने बताया कि प्रावधान के तहत 22 नवंबर से पहले नई सरकार के लिए चुनाव हो जाना है और इसी हिसाब से आयोग काम कर रहा है। दो दिवसीय दौरे के बाद पटना से लौटने के पहले मीडिया से बातचीत में मुख्य चुनाव आयुक्त ने साफ कहा-जिनके वोटर कार्ड के डाटा में कोई परिवर्तन होगा, उन्हें 15 दिनों के अंदर ईपिक, यानी वोटर कार्ड मिल जाएगा। जिनके पास पुराने वोटर कार्ड हैं और डाटा में कोई बदलाव नहीं है, वह उसी को सही मानेंगे। मतदान करने के लिए बाकी जिन दस्तावेजों को पहले से मान्य रखा गया था, वह आगे भी कायम रहेंगे। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा कि अयोग्य वोटरों को हटाने और योग्य वोटरों को शामिल करने के लिए चलाए गए गहन विशेष पुनरीक्षण का परिणाम बहुत स्पष्ट और संतोषजनक रहा है।

अब तक 16 बच्चों की जान ले चुका जहरीला सिरप

कफसिरप कांड-बैतूल में किडनी खराब होने से दो बच्चों की मौत

बैतूल/ एजेंसी

मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा में 'कॉ्ड्रिफ' कफसिरप पीने से 11 बच्चों की मौत के बाद अब बैतूल जिले के आमला प्रखंड में एक ऐसा ही मामला सामने आया है, जिसमें दावा किया गया है कि कथित तौर पर इसी कफसिरप को पीने से वहां के दो बच्चों की मौत हो गई. हालांकि, बैतूल के कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने स्पष्ट किया कि दोनों बच्चों का इलाज बैतूल जिले के किसी भी शासकीय या निजी अस्पताल में नहीं हुआ है और जिले में 'कॉ्ड्रिफ' सिरप की बिक्री भी नहीं पाई गई है. उन्होंने कहा कि यह मामला बैतूल जिले से प्रत्यक्ष रूप से संबंधित नहीं है, फिर भी मृतक बच्चों के बैतूल निवासी होने के कारण पूरी संवेदनशीलता से जांच की जा रही है. आमला प्रखंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. अशोक नरवारे ने बताया कि दोनों बच्चों की पहचान कलमेश्वर गांव निवासी कमलेश के चार वर्षीय पुत्र कबीर और जामुन बिछुआ गांव निवासी निखलेश के ढाई वर्षीय पुत्र गर्मीत के रूप में हुई है. उन्होंने कहा, दोनों बच्चों को बुखार के इलाज के लिए पड़ोसी छिंदवाड़ा जिले के परासिया ले जाया गया, जहां उनकी हालत बिगड़ गई. अभी तक इस बात की पुष्टि नहीं हो पाई है कि मौतें सिरप की वजह से हुई हैं या नहीं. मुझे विस्तृत जांच करने और एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है. नरवारे ने कहा, दोनों बच्चों में गुर्दे की समस्या और पेट में सूजन जैसे लक्षण विकसित हुए और उन्हें बेहतर इलाज के लिए बैतूल से भोपाल भेजा गया था. कोई पोस्टमार्टम नहीं किया गया था,

लेकिन गुर्दे की गंभीर जटिलताओं की रिपोर्ट मुख्य चिकित्सा और स्वास्थ्य अधिकारी (सीएम एंड एचओ) को भेजी गई थी. संयोग से, आमला छिंदवाड़ा के परासिया उप संभाग से लगभग 150 किलोमीटर दूर है, जहां कथित तौर पर दूषित कफसिरप खाने से 11 बच्चों की मौत हो गई है. परिवार के सदस्यों ने आरोप लगाया कि कबीर की मौत परासिया के चिकित्सक डॉ. प्रवीण सोनी के परामर्श पर 'कॉ्ड्रिफ' सिरप के सेवन के बाद हुई.सोनी को शनिवार देर रात गिरफ्तार कर लिया गया था और रविवार सुबह सेवा से निलंबित कर दिया गया. परासिया पुलिस के अनुसार, सरकारी डॉक्टर होने के बावजूद सोनी एक निजी क्लिनिक में प्रैक्टिस कर रहा था और उसने ही अपने परामर्श में 'कॉ्ड्रिफ' सिरप की सलाह दी थी. कबीर के रिश्तेदारों ने बताया कि बुखार की शिकायत के बाद उसे 24 अगस्त को डॉ. सोनी के पास ले जाया गया था लेकिन हालत में सुधार नहीं होने पर परासिया के ही दो अन्य डॉक्टरों से परामर्श किया गया. उन्होंने कहा कि दोनों ही चिकित्सकों ने कबीर के गुर्दे में समस्या बताई थी. रिश्तेदारों ने बताया कि बाद में बच्चे को नागपुर और फिर भोपाल ले जाया गया, जहां आठ सितंबर को उसकी मौत हो गई. डॉ. नरवारे ने कहा कि एक अक्टूबर को इलाज के दौरान गर्मीत की उसके गांव में मौत हो गई थी. उन्होंने कहा कि गर्मीत के

छिंदवाड़ा में कफसिरप के कारण मौत: सरकारी चिकित्सक गिरफ्तार,कंपनी के खिलाफमामला दर्ज

छिंदवाड़ा में संदिग्ध रूप से गुर्दों के काम करना बंद कर देने के कारण 14 बच्चों की मौत होने के बाद पुलिस ने लापरवाही के आरोप में एक चिकित्सक को गिरफ्तार किया है और जहरीले 'कफसिरप' की निर्माता कंपनी के खिलाफमामला दर्ज किया है. अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी. मध्य प्रदेश सरकार ने 'कॉ्ड्रिफकफसिरप' की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया है. अधिकारियों ने बताया कि दवा के नमूनों में अत्यधिक जहरीला पदार्थ पाया गया है. जिन बच्चों की मौत हुई है उनमें से दो छिंदवाड़ा शहर से, एक चौरई तहसील से और 11 परासिया उप-संभाग से थे.

संक्षिप्त समाचार

जगन्नाथ मंदिर के भूमि पूजन कार्यक्रम में सम्मिलित हुई रूपकुमारी चौधरी

पिथौरा(समय दर्शन)। यह दिन पूरे गांव के लिए अत्यंत विशेष रहा, क्योंकि पुरातन मंदिर के स्थान पर नए भव्य मंदिर के निर्माण का यह शुभारंभ, सभी ग्रामीणों की लंबे समय से संजोई हुई आस्था और इच्छा का साकार रूप है। मंदिर निर्माण से न केवल भक्ति और श्रद्धा का भाव और प्रबल होगा, बल्कि गांव में एकता, सौहार्द और सकारात्मक ऊर्जा का एक नया वातावरण स्थापित होगा। इस दौरान पीयूष मिश्रा ,नगर पंचायत अध्यक्ष देवेश निषाद , पार्षद मन्नूलाल ठाकुर , मंडल अध्यक्ष आशीष शर्मा सहित अनेक जनप्रतिनिधि, नागरिकगण, श्रद्धालुजन एवं ग्रामीणजन बड़ी संख्या में उपस्थित होकर अपार उत्साह और श्रद्धा के साथ इस ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बने। ईश्वर से प्रार्थना है कि भगवान श्री जगन्नाथ जी की कृपा सभी पर बनी रहे और यह पवित्र स्थल गांव व क्षेत्र में सुख, शांति और समृद्धि का संदेश फैलाता रहे।

फूलों की वर्षा और जयघोष के बीच संपन्न हुआ रूखमणी विवाह पं. मिथलेश्वर दुबे

बिर्रा (समय दर्शन)। ग्राम सिलादेही में पटेल परिवार द्वारा स्व. श्री पितांबर पटेल (सेवानिवृत्त शिक्षक) की पुण्य स्मृति में संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा का भव्य आयोजन किया जा रहा है। कथा के षष्ठ दिवस की शुरुआत मंगलाचरण और भगवान के भजनों से हुई। कथावाचक आचार्य पं. मिथलेश्वरानंद दुबे जी ने श्रीकृष्ण-रुक्मणी विवाह प्रसंग का रसपूर्ण और भावनात्मक वर्णन करते हुए बताया कि किस प्रकार विदर्भ की राजकुमारी रुक्मणी ने अपने हृदय में श्रीकृष्ण को ही जीवनसाथी रूप में स्वीकार किया। उन्होंने श्रीकृष्ण को पत्र लिखकर अपने मन की व्यथा प्रकट की और कहा कि यदि उनका विवाह किसी और से होता है तो वे जीवन का त्याग कर देंगी। आचार्य जी ने बताया कि भगवान श्रीकृष्ण ने रुक्मणी के इस प्रेम और समर्पण को स्वीकार करते हुए ससम्मान विवाह कर उन्हें अपने जीवन की अर्धांगिनी बनाया। कथा सुनाते समय जब विवाह प्रसंग आया तो पूरा पंडाल जय श्रीकृष्ण ङ्क जय रुक्मणी के गगनभेदी उद्घोष से गूंज उठा। संगीतमय कथा के दौरान भजनों की मधुर ध्वनि और आचार्य जी के भावपूर्ण व्याख्यान से श्रद्धालु भक्तिभाव में झूम उठे। महिलाएँ एवं पुरुष श्रद्धालु भक्ति रस में डूबकर कथा का श्रवण करते रहे।कार्यक्रम स्थल पर जजमान श्रीमति शोभा अभिषेक पटेल, श्रीमति लक्ष्मीन- मोहनेश्वर साहू, अनिल पटेल, जिला पंचायत सदस्य मोहनकुमारी साहू, रोहित साहू,बंशीलाल, मालिक राम, संतोष कश्यप, शंकरलाल, सोहन साहू,तारेश्वर जायसवाल, रामगोपाल, मुन्नालाल, ओमप्रकाश पटेल,गाड़ाराय साहू, एकादशिया पटेल, देवेंद्र वैष्णव, डेक्शन साहू, संजय साहू, टेकराम यादव, ओमशरण साहू, संजू साहू, बड़ी संख्या में ग्रामीणजन, श्रद्धालु एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। आयोजन समिति द्वारा श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद वितरण एवं भोजन की भी व्यवस्था की गई।

पाटन में आत्मनिर्भर भारत एवं GST कार्यशाला का आयोजन 7 अक्टूबर को

पाटन। भारतीय जनता पार्टी पाटन मंडल द्वारा आत्मनिर्भर भारत एवं त्रस्ञ्ज कार्यशाला का आयोजन आगामी मंगलवार, 7 अक्टूबर 2025 को दोपहर 12 बजे से रेस्ट हाउस, पाटन में किया जा रहा है। इस कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में विजय बघेल (सांसद, दुर्ग लोकसभा), जितेन्द्र वर्मा (प्रदेश मंत्री, भाजपा) तथा दिलीप साहू (जिला प्रभारी, आत्मनिर्भर भारत अभियान) उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता सुश्री अलका बगमार (महापौर, नगर निगम दुर्ग) एवं वक्ता राजेन्द्र पाध्ये (वरिष्ठ भाजपा नेता) रहेंगे।

जनपद उपाध्यक्ष के पति की सड़क हादसे मे मौत

विधायक ने जताई हत्या की आशंका

महासमुन्द (समय दर्शन)। महासमुंद मे हुए जनपद उपाध्यक्ष पति के सड़क हादसे में मौत को लेकर राजनीतिक हलचल तेज हो गयी है। विधायक ने इस पर हत्या की आशंका जताई है ।

जिले में रविवार रात एक दर्दनाक सड़क हादसे ने जनपद पंचायत महासमुंद की उपाध्यक्ष हुलसी चंद्राकर के परिवार को गहरे शोक में डाल दिया है। नेशनल हाईवे-353 पर साराडीह मोड़ के पास हुई इस दुर्घटना में उनके पति जितेंद्र चंद्राकर (46 वर्ष) की मौके पर ही मौत हो गई।

जबकि स्कूटी पर सवार उनके साथी अशोक साहू गंभीर रूप से घायल हो गए।

जानकारी के अनुसार, बेलसोंड़ा निवासी जितेंद्र चंद्राकर और उनके मित्र अशोक साहू रविवार शाम स्कूटी से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान महासमुंद की ओर से तेज रफ्तार में आ रही टाटा सफारी (क्रमांक ष्ट्ठ 04 क्त॥ 5836) ने स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों सड़क पर दूर जा गिरे और स्कूटी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। स्थानीय लोगों ने तत्काल 108 एंबुलेंस की मदद से दोनों को अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने जितेंद्र चंद्राकर को मृत घोषित कर दिया।

घटना के बाद क्षेत्र में शोक और आक्रोश दोनों का माहौल है। ग्रामीणों ने बताया कि हादसे की आवाज इतनी तेज थी कि आसपास के घरों से लोग बाहर निकल आए। मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई।विधायक ने उठाए सवाल, कहा—यह सुनियोजित हत्या हो सकती है घटना की जानकारी मिलने के बाद स्थानीय विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा अस्पताल पहुंचे। उन्होंने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि यह महज सड़क हादसा नहीं बल्कि सुनियोजित हत्या हो सकती है। विधायक ने दावा किया कि मृतक की किसी अमर अग्रवाल नामक व्यक्ति से पुरानी रंजिश थी, और यह घटना उसी विवाद से जुड़ी हो सकती है। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि इस पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर सच्चाई उजागर की जाए।

ग्रामीणों का आक्रोश, सफारी पर पथराव हादसे की खबर फैलते ही बेलसोंड़ा और आसपास के ग्रामीण बड़ी संख्या में मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने आक्रोश में आकर टाटा सफारी पर पथराव कर दिया, जिससे वाहन के शीशे टूट गए। स्थिति बिगड़ते देख पुलिस ने मौके पर पहुंचकर भीड़ को नियंत्रित किया और दोनों वाहनों को जब्त कर सिटी कोतवाली थाना पहुंचाया।

चालक ने किया सरेंडर, पुलिस जांच में जुटी इस बीच, हादसे में शामिल टाटा सफारी चालक अग्रवाल नामक व्यक्ति ने खुद को सिटी कोतवाली पुलिस के समक्ष सरेंडर कर दिया है। उसने प्रारंभिक पूछताछ में बताया कि घटना अनजाने में हुई। हालांकि पुलिस इस पूरे मामले की हर पहलू से जांच कर रही है।

अस्पताल में उमड़ा जनसैलाब- दुर्घटना की जानकारी मिलते ही अस्पताल में विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा, नगर पालिका उपाध्यक्ष देवीचंद राठी, पूर्व अध्यक्ष राशि त्रिभुवन महिलांग, और बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि व ग्रामीण पहुंचे। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था। बताया गया कि हुलसी चंद्राकर भाजपा से जनपद पंचायत महासमुंद की उपाध्यक्ष हैं और पूर्व में ग्राम पंचायत बेलसोंड़ा की उपसरपंच रह चुकी हैं।

पुलिस ने कहा—जांच के बाद ही स्पष्ट होगा सच- इस पूरे मामले पर पुलिस का कहना है कि फिलहाल पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और वाहन की जांच रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगा कि यह साधारण हादसा था या किसी षड्यंत्र का परिणाम। पुलिस ने घटनास्थल से वाहन के टुकड़े और ष्टष्टञ्जङ्क फुटेज भी जब्त किए हैं। फिलहाल बेलसोंड़ा गांव में शोक की लहर है और लोग जितेंद्र चंद्राकर को न्याय दिलाने की मांग कर रहे हैं।

एसडीएम के आश्वासन के 48 घंटे बाद भी पीड़ित तक नहीं पहुंचा प्रशासनिक सहयोग

पिथौरा(समय दर्शन)। पिथौरा तहसील के ग्राम जंघोंरा में प्राकृतिक आपदा के शिकार बालाराम चौहान के गरीब परिवार के लिए सरकारी तंत्र की संवेदनहीनता एक बार फिर उजागर हुई है।

जहां एक ओर मूसलाधार बारिश ने बालाराम का मकान ढहा दिया, वहीं दूसरी ओर स्थानीय प्रशासन ने अपनी अत्यधिक धीमी चाल से सरकारी मदद के भरोसे बैठे परिवार को खुले आसमान के नीचे छोड़ दिया है।

प्रशासनिक लापरवाही - सबसे चौंकाने वाला और निंदनीय तथ्य यह है कि यह पीड़ित परिवार अनुविभागीय अधिकारी (स्ष्ठरू) कार्यालय से महज़ 2 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। स्ष्ठरू बजरंग वर्मा ने खुद त्वरित सहायता और पटवारी को प्रकरण बनाने का आश्वासन दिया था?

बावजूद इसके, उनके आश्वासन के पूरे 48 घंटे बीत जाने के बाद भी प्रशासन का एक भी नुमाइंदा, पटवारी या अधिकारी, पीड़ित बालाराम की सुध लेने नहीं पहुंचना प्रशासनिक लापरवाही को दर्शाता है ।

समाजसेवियों ने पेश की मानवता- आपदा नियमों की अनदेखी, समाजसेवी ने पहुंचाई तत्काल राहत जिस समय सरकारी अमला अपनी संवेदनहीनता की चादर ओढ़े रहा, स्थानीय समाजसेवी आकाश अग्रवाल ने मानवीय धर्म निभाते हुए तत्काल जंघोंरा पहुंचकर 10,000 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की।

आपदा प्रबंधन मिशन बना मूक दर्शक- यह घटना आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 के तहत त्वरित राहत पहुँचाने के नियमों की प्रशासनिक अनदेखी को साफ दर्शाती है।

प्रशासनिक लापरवाही का आलम यह है कि जिस गरीब परिवार को प्रधानमंत्री आवास योजना या आपदा राहत कोष से तुरंत सहायता मिलनी चाहिए थी, उसे अब जाकर स्वयं के प्रयासों से टूटी दीवारों को खड़ा करने का प्रयास शुरू करना पड़ा है।

एस डी एम के निर्देश की अवहेलना- SDM के सीधे निर्देश की अवहेलना और 2 किलोमीटर की दूरी पर बेघर हुए परिवार को 48 घंटे तक उपेक्षित छोड़ देना यह साबित करता है कि स्थानीय नौकरशाही कितनी निरंकुश हो चुकी है। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या जिला कलेक्टर महोदय इस शर्मनाक प्रशासनिक लापरवाही का संज्ञान लेंगे?

और निर्देश की अवहेलना करने वाले और गरीब की मदद में घोर उदासीनता बरतने वाले कर्मचारियों पर कोई दंडात्मक कार्रवाई करेंगे या नहीं?

प्रशासन की यह धीमी चाल व कार्यशैली पर एक बार फिर सवालिया निशान लग रहा है? जिसने सरकारी मदद पर गरीब जनता के भरोसे को तोड़ दिया है।

कलेक्टर जन्मेजय महोबे का सघन निरीक्षण

गांव की पगडंडियों और खेतों की मेड़ों से होते हुए हेडसपुर की पहाड़ियों पर पहुंचे कलेक्टर

पीएम आवास निर्माण की गति पर जोर, पहाड़ी पर जल संरक्षण कार्यों की सराहना

क्यू आर कोड से ग्रामीणों को मिली विकास कार्यों की पारदर्शी जानकारी

जांजगीर- चांपा समय दर्शन /कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने रविवार को जिले के विकास कार्यों की वास्तविक स्थिति परखने के लिए जनपद पंचायत बलौदा के सुदूर ग्राम हेडसपुर और बक्सरा का दौरा किया। कलेक्टर गांव की पगडंडियों और खेतों की मेड़ों से होते हुए हेडसपुर की पहाड़ियों पर पहुंचे और वहां मनरेगा के तहत बनाए गए कंटूर ट्रेंच कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने जल संरक्षण के इन प्रयासों की सराहना की और कहा कि इस पहाड़ी पर व्यापक स्तर पर पौधरोपण कर हरियाली बढ़ाई जाए, ताकि वर्षा जल संरक्षित हो और पर्यावरण भी संवर्धित हो।कलेक्टर ने निर्देश दिए कि कंटूर ट्रेंच निर्माण से पहले और बाद में जल संचयन की मात्रा का तुलनात्मक विवरण तैयार कर प्रस्तुत किया जाए।

पीएम आवास निर्माण पर कलेक्टर का विशेष फोकस- निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री महोबे ने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत हेडसपुर और बक्सरा पंचायतों में निर्माणाधीन एवं पूर्ण आवासों का जायजा लिया।उन्होंने हितग्राहियों से सीधी बातचीत की। कलेक्टर ने श्री गुडनिधि लाल, ईश्वर लाल, श्रीमती राजबाई, नोहर बाई, रमेश कुमार यादव और हरिराम सहित अन्य लाभार्थियों के घर पहुंचकर कार्यों की प्रगति देखी।

कलेक्टर ने स्पष्ट कहा कि - प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण गरीबों के जीवन स्तर सुधारने की सबसे अहम योजना है। हर पात्र परिवार को समय पर पक्का मकान मिले, यह शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। निर्माण में कोई ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि लाभार्थियों की समस्याओं का मौके पर समाधान किया जाए और सभी आवास निर्धारित समयसीमा में पूर्ण हों।

क्यूआर कोड से मिली पारदर्शी जानकारी- हेडसपुर पंचायत भवन में लगे मनरेगा क्यूआर कोड को कलेक्टर ने अपने मोबाइल से स्कैन कर गांव के पिछले तीन वर्षों के सभी कार्यों की जानकारी देखी। स्क्रीन पर कार्यों की पूरी सूची, खर्च की गई राशि, भुगतान विवरण और लाभार्थियों की जानकारी प्रदर्शित हुई। कलेक्टर ने कहा यह पहल पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने का अभिनव कदम है। ग्रामीण अब स्वयं मोबाइल से देख सकते हैं कि गांव में कौन-से कार्य हुए, कितना खर्च हुआ और किसे लाभ मिला। इससे ग्रामीण विकास कार्यों की निगरानी में सक्रिय सहभागी बनेंगे।

ग्रामीणों से सीधा संवाद, अन्य योजनाओं की भी समीक्षा- कलेक्टर ने ग्रामीणों के घर पहुँच कर पीएम आवास, शौचालय, जल जीवन मिशन की जानकारी ली ।उन्होंने पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना की जानकारी ग्रामीणों को दी। उन्होंने अधिकारियों को विलेज एक्शन प्लान तैयार करने, किसानों का एग्रीस्टेक पंजीयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत सीईओ श्री गोकुल रावटे, जनपद सीईओ श्री रोहित नायक, सरपंच, सचिव और अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

सरस्वती शिशु मंदिर बसना मे आचार्य विकास वर्ग संपन्न

बसना(समय दर्शन)। सरस्वती शिशु मंदिर बसना में दिनांक 5 सितंबर 2025 रविवार को चतुर्थ आचार्य विकास वर्ग संपन्न हुआ। सर्वप्रथम प्राचार्य धनुर्जय साहू प्रधानाचार्य भरोसा राम साव ने मां भारती प्रणवाक्षर ओम एवं मां सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर स्वागत सत्कार के पश्चात प्रथम कालांश में प्रार्थना के महत्व को बताते हुए वरिष्ठ आचार्य अभिमन्यु दास एवं तेज कुमार साव ने प्रार्थना अभ्यास करवाया । द्वितीय कालांश में पूर्व प्राचार्य रमेश कुमार कर ने जीवन के प्रमुखकेंद्रीय विषय पर आधारित पञ्च कोष को पांच आधारभूत शिक्षा को जोड़कर मार्गदर्शन दिया

1 अन्नमय कोष को शारीरिक शिक्षा से जोड़ते हुए कहा कि शरीर को चलाने के लिए अन्न की आवश्यकता होती है । जैसे खाएँ वैसे बने मन व शरीर, इसलिए शुद्ध, सात्विक, संतुलित भोजन से शरीर पुष्ट और वरिष्ठ होता है । समय पर भोजन हो, उचित स्थान में भोजन हो, इस पर विशेष ध्यान देना चाहिए ।

2 मनोमय कोष को योग से जोड़ते हुए कहा कि मानसिक विकास के लिए जीवन में योग प्राणायाम नितांत आवश्यक है । मन अधोगति होती है । घोड़े की लगाम की तरह मन रूपी लगाम को नियंत्रित करने के लिए प्राणायाम करना चाहिए । मन सही दिशा में रहेगा तो जीवन में अनुशासित रहकर अपने अंदर के छुपे प्रतिभा को जागृत कर सकते हैं इससे शरीर के विकास के साथ-साथ मन का विकास होता है जिससे मनुष्य को सन्मार्ग की दिशा मिल जाती है ।

3 प्राणमय कोष को संस्कृत शिक्षा से जोड़ते हुए कहा कि प्राण का अभिप्राय ऊर्जा से है इसी ऊर्जा से भौतिक आध्यात्मिक उन्नति होती है। ऊर्जास्वित की ओर सबकी दृष्टि होती है । संस्कृत की रचना मानव जीवन को विकास की ओर ले जाने वाली भाषा है । हमारे मनिषियों ने संस्कृत में अनेक ग्रंथ, उपनिषद की रचना कर प्रेरणादायी वाक्यों से हमें ऊर्जा प्रदान करते हैं ।

4 ज्ञानमय कोष को नैतिक एवं आध्यात्मिक शिक्षा से जोड़ते हुए कहा कि आत्मिक चिंतन से ज्ञान में वृद्धि होती है । ज्ञान हमें आत्मिक रूप से पुष्ट कर मन को सही दिशा प्रदान करती है ।

5 आनंदमय कोष को संगीत से जोड़ते हुए कहा कि मनुष्य का सब कर्म आनंद की प्राप्ति के लिए ही होती है । संगीत के स्वर के उतार-चढ़ाव के समान ही जीवन के उतार-चढ़ाव में समभाव रखना ही आनंद है । पूर्ण भाव से समर्पित होकर काम के प्रति तन्मय होना ही आनंद की प्राप्ति होती है ।

तृतीय कालांश में समिति अध्यक्ष रामचंद्र अग्रवाल जी ने पञ्च परिवर्तन के संबंध में बताया कि पांच परिवर्तन से व्यक्ति, समाज व देश का विकास होता है 7 और समरसता का भाव बना रहता है ।

1 स्व के भाव से ही व्यक्ति को चिंतन मनन करना चाहिए कि मैं कौन हूं ? मेरा जन्म क्यों हुआ है ? मेरा कर्तव्य क्या है ? आदि का ज्ञान होने पर व्यक्ति को किसी भी प्रकार की आत्मग्लानि नहीं होती है । अपनी मातृभाषा को कभी छोड़ना नहीं चाहिए ।अपने ही बोली, संस्कृति को पहले प्राथमिकता देने चाहिए ।

2 कुटुंब प्रबोधन - सर्वप्रथम अपने परिवार से प्रारंभ करना चाहिए अपने घर में सभी सदस्य एक साथ मिलकर भजन, भोजन, भ्रमण, करने से आपसी प्रेम बना रहता है । परिवार में प्रेम रहेगा तो समाज और राष्ट्र में वसुदेव कुटुंबकम - की भाव रहेगा ।

3 समरस्ता - सभी धर्म, वर्ग, संप्रदाय के प्रति जातिवाद से ऊपर उठकर मानवता का परिचय देते हुए समान व्यवहार करना चाहिए । सभी के प्रति समरसता का भाव हो ऐसा प्रयास करना चाहिए ।

4 पर्यावरण सुरक्षा - यदि पर्यावरण के प्रति हम सजग नहीं रहे तो भविष्य अंधकार में हो जाएगा । इसके रक्षण, पोषण और रोपण करना सबका परम कर्तव्य है । प्रकृति के साथ छेड़छाड़ करना आपदाओं को आमंत्रित करना है इससे मानव जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा ।

5 नागरिक कर्तव्य - भारतीय संस्कृति में बनाए गए कानून और नियमों का पालन करते हुए अपने कर्तव्यों को पूर्ण निष्ठा से निर्वहन करना चाहिए ।

चतुर्थ कालांश में वरिष्ठ आचार्य दिलीप बेहरा ने प्रचलित, निखिलम, परावर्त्य और ध्वजांक विधि के माध्यम से वैदिक गणित को सरल विधि से समझाया । अंतिम कालांश में गोवर्धन प्रधान ने योग प्राणायाम को प्रयोगात्मक रूप से करवा कर इसके महत्व को बताते हुए भैया वाहनों को भी प्रतिदिन योग साधना करने के लिए प्रेरित किया । इस आचार्य विकास वर्ग में 53 आचार्य बंधू भगिनी उपस्थित रहे ।

मछुआ समाज के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है हमारी सरकार – मुख्यमंत्री

सामाजिक विकास का मूलमंत्र है शिक्षा, शिक्षा के बिना है जीवन अधूरा - मुख्यमंत्री श्री साय

रायपुर।
शिक्षा के बिना जीवन अधूरा है। शिक्षा केवल नौकरी प्राप्त करने का साधन नहीं, बल्कि सफल जीवन का मार्ग है। सामाजिक विकास का मूलमंत्र शिक्षा है। चाहे जीवन जीने की कला हो, व्यापार हो, कृषि हो या कोई अन्य क्षेत्र — हर क्षेत्र में सफलता के लिए शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका है।मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर स्थित बलबीर सिंह जुनेजा इनडोर स्टेडियम में आयोजित राष्ट्रीय मछुवारा जागरूकता सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारी सरकार प्रारंभ से ही राज्य में शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रही है। राज्य गठन के समय जहां केवल एक मेडिकल कॉलेज हुआ करता था, वहीं आज प्रदेश में लगभग 15 मेडिकल कॉलेज हो चुके हैं। इसी तरह हमने राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के शैक्षणिक संस्थान जैसे आईआईटी, ट्रिपल-आईटी, आईआईएम, लॉ यूनिवर्सिटी, एम्स और सिपेट जैसे संस्थान छत्तीसगढ़ में स्थापित किए हैं, जिनका लाभ राज्य के स्थानीय विद्यार्थियों को मिल रहा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश के प्रत्येक जिले में नालंदा परिसर के निर्माण का कार्य चल रहा है, जिससे युवाओं को दिशा और अवसर दोनों मिल रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज समाज को संगठित होने की आवश्यकता है, क्योंकि संगठित समाज से ही राष्ट्र मजबूत होता है। उन्होंने कहा कि नशाखोरी समाज के विकास में बाधक है और इस बुराई से दूर रहना आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने समाज से नशा मुक्ति का संकल्प लेने की अपील की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत सरकार ने मत्स्य संपदा योजना प्रारंभ की, जो मछुआरों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने में एक क्रांतिकारी

कदम सिद्ध हुई है। इसी क्रम में छत्तीसगढ़ सरकार ने हाल ही में गंगरेल बांध ठेका प्रथा को समाप्त कर पुनः डुबान क्षेत्रों के किसानों को मत्स्य पालन की अनुमति प्रदान की है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार मछुआ समाज को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयासरत है। मत्स्य पालन के क्षेत्र में अनेक योजनाएँ प्रारंभ की गई हैं। प्रदेश का पहला एक्वा पार्क हसदेव बांगो जलाशय में लगभग ?37 करोड़ की लागत से निर्मित किया जा रहा है। यह एक्वा पार्क मछली उत्पादन, प्रोसेसिंग, निर्यात और टूरिज़्म— इन चारों क्षेत्रों में नए अवसर सृजित करेगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि वर्तमान में यहाँ 800 केजों में मत्स्य पालन किया जा रहा है, जिससे अनेक पंचायतों को लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि यह हमारे मछुआ भाइयों की आय बढ़ाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने राष्ट्रीय मछुवारा संघ के सभी पदाधिकारियों और देशभर से पधारे मेहनतकश मछुआ भाइयों-बहनों को राष्ट्रीय सम्मेलन के सफल आयोजन के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. राजभूषण चौधरी निषाद ने कहा कि निषाद समाज का गौरवशाली इतिहास और परंपरा रही है। हमारे इतिहास और परंपरा के बारे में नई पीढ़ी को बताना और सिखाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने सदैव निषाद समाज को अग्रणी स्थान दिया है। उन्होंने बताया कि जब अयोध्या में प्रभु श्री रामलला के भव्य मंदिर का निर्माण किया गया, तब उसी के सामने सरयू नदी के तट पर निषाद राज मंदिर का निर्माण कर समाज को उचित सम्मान दिलाने का कार्य प्रधानमंत्री श्री मोदी ने किया है। इस हेतु निषाद समाज सदैव उनका ऋणी रहेगा।

वैज्ञानिक पद्धति और नवाचारी खनन के माध्यम से विकास और पारदर्शिता की नई कहानी लिख रहा है छत्तीसगढ़ : मुख्यमंत्री श्री साय

रायपुर। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज क्रिटिकल मिनरल्स के लिए माइनिंग कॉर्पोरेशन और कोल इंडिया लिमिटेड के मध्य एमओयू हुआ है। वहीं क्लीन एनर्जी के क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देने हेतु आईआईटी रुड़की और आईएसएम धनबाद के साथ भी एमओयू साइन किए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वैज्ञानिक और सतत खनन के माध्यम से छत्तीसगढ़ विकास और पारदर्शिता की नई कहानी लिख रहा है। छत्तीसगढ़ निश्चित ही प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में अग्रणी भूमिका निभाएगा। छत्तीसगढ़ खनिज विकास निगम के अध्यक्ष श्री सौरभ सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार माइनिंग क्षेत्र में उल्लेखनीय और नवाचारी कार्य कर रही है। खनन से राजस्व और रोजगार दोनों बढ़े हैं तथा सरकार युवाओं को तकनीकी प्रशिक्षण देकर कुशल मानव संसाधन तैयार कर रही है। राज्य में अब टिन से निकलने वाले स्लज से दो नए तत्वों का उत्पादन शुरू हुआ है। साथ ही क्रिटिकल ओअर रिसाइक्लिंग और ई-वेस्ट मैनेजमेंट पर भी कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 28 प्रकार के खनिजों का खनन होता है, जिनमें टिन, बॉक्साइट, कोयला, लाइमस्टोन और आयरन ओर प्रमुख हैं। मुख्य सचिव श्री विकासशील ने कहा कि नौ वर्ष बाद माइनिंग कॉन्क्लेव का पुनः आयोजन सराहनीय है। उन्होंने कहा कि स्टेकहोल्डर्स के सुझावों को नीति निर्माण में शामिल करना और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को सशक्त बनाना सरकार की प्राथमिकता है। खनिज क्षेत्र प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत 2047 और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के विकसित छत्तीसगढ़ के लक्ष्य को साकार करने में अहम भूमिका निभाएगा। मुख्य सचिव ने पारदर्शिता, तकनीकी उपयोग, जल संरक्षण, नवीकरणीय ऊर्जा, सौर ऊर्जा और ई-वेस्ट रिसाइक्लिंग को भविष्य की आवश्यकता बताया। उन्होंने राज्य की नई उद्योग नीति की सराहना करते हुए कहा कि इससे बड़ी संख्या में रोजगार सृजित होंगे। खनिज विभाग के सचिव श्री पी. दयानंद ने छत्तीसगढ़ माइनिंग कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए प्रदेश में खनिज उपलब्धता, नीलामी की पारदर्शी व्यवस्था, उत्खनन में नवीन तकनीकों के उपयोग, विभाग की उपलब्धियों और गतिविधियों पर विस्तार से जानकारी दी। संचालक भौमिकी एवं खनिज साधन श्री रजत बंसल ने भी अपने विचार साझा किए।

बस्तर अंचल के गांव-गांव के विकास कार्यों से आ रहा सकारात्मक बदलाव: वनमंत्री श्री केदार कश्यप

रायपुर। वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा है कि हमारी सरकार बस्तर अंचल के गांव-गांव के विकास के जरिए लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में कार्य कर रही है। वे आज आज बस्तर जिले के सालेमेटा में 38.64 लाख रुपये की लागत वाले विकास कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे।

वन मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा पर विशेष ध्यान दे रही है। बस्तर तेजी से विकास की राह पर है और यह गति आगे भी जारी रहेगी। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि विकास कार्यों की गुणवत्ता पर नजर रखें और सुनिश्चित करें कि सभी काम ईमानदारी से पूरे हों। वनमंत्री श्री कश्यप ने खण्डसरा और खड़का में 11.74 लाख की लागत से सोलर हाई मास्ट लाइट का लोकार्पण किया। उन्होंने सालेमेटा-1 ग्राम पंचायत में 14 लाख रुपये

की लागत से पुलिया निर्माण, हायर सेकेंडरी स्कूल में 200 मीटर आहाता निर्माण तथा कोटगढ़ में 12 लाख 90 हजार रुपये की लागत से पुलिया और आंगनबाड़ी केंद्र तक 300 मीटर सीसी रोड़ निर्माण कार्य का भी भूमिपूजन किया।

31 हज़ार शिविरों में 22 लाख लोगों की स्वास्थ्य की जांच

रायपुर। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की महत्वाकांक्षी पहल स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान छत्तीसगढ़ में कई नए कीर्तिमान स्थापित किए है। बीते पखवाड़े भर में प्रदेशभर में 31 हजार से अधिक स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए गए, जिनमें करीब 22 लाख लोगों ने जांच और उपचार की सेवाएं प्राप्त कीं। सबसे खास बात यह रही कि इन शिविरों में महिलाओं की भागीदारी सबसे अधिक रही, जिससे यह साफ है कि अब ग्रामीण अंचलों में भी महिलाएं अपने स्वास्थ्य को लेकर सजग हो रही हैं। यह भागीदारी अभियान के उस मूल विचार को मजबूती देती है, जिसमें माना गया है कि जब एक महिला स्वस्थ होती है, तभी पूरा परिवार और समाज सशक्त बनता है।

इन शिविरों में महिला स्वास्थ्य, पोषण व अनीमिया की जांच को विशेष प्राथमिकता दी गई, जिसके अंतर्गत पांच लाख से अधिक लोगों की अनीमिया जांच की गई। यह आंकड़ा

न केवल जांच की व्यापकता को दर्शाता है, बल्कि यह भी बताता है कि राज्य सरकार महिलाओं में खून की कमी जैसी पुरानी समस्याओं को लेकर अब ठोस कदम उठा रही है। गर्भवती महिलाओं की एएनसी जांच, बच्चों का टीकाकरण, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, टीबी, कैंसर और सिकल सेल जैसे रोगों की स्क्रीनिंग को भी शिविरों में प्राथमिकता के साथ शामिल किया गया। परिणामस्वरूप 1.91 लाख गर्भवती महिलाओं की जांच हुई, 2.72 लाख लोगों की सिकल सेल स्क्रीनिंग की गई, 3.72 लाख लोगों की टीबी जांच की गई और 67 हजार से अधिक बच्चों को टीके लगाए गए। अभियान सिर्फ इलाज तक सीमित नहीं रहा। इन शिविरों में महिला स्वास्थ्य कर्मियों और विशेषज्ञों ने बड़ी संख्या में महिलाओं को संतुलित आहार, आयरन-फोलिक एसिड की महत्ता, स्वच्छता और जीवनशैली में सुधार जैसे विषयों पर परामर्श दिया। यह पहल केवल उपचार नहीं, बल्कि समय रहते रोगों की पहचान और रोकथाम की दिशा में भी कारगर सिद्ध हो रही है। लगभग 13 लाख लोगों को विभिन्न स्वास्थ्य विषयों पर जागरूक किया गया, जिससे यह स्पष्ट होता है कि अभियान के माध्यम से केवल बीमारियों का उपचार नहीं, बल्कि जनसामान्य में स्वास्थ्य के प्रति सोच बदलने का प्रयास किया जा रहा है।

प्रभु श्रीराम के ननिहाल और माता शबरी की पावन भूमि पर हुआ राज्य स्तरीय युवा कवि सम्मेलन का आयोजन

छत्तीसगढ़ की धरती सदा से रही है साहित्य और संस्कृति की धरा : मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय

रायपुर। छत्तीसगढ़ की साहित्यिक, सांस्कृतिक और कलात्मक परंपराओं को नई ऊर्जा देने के उद्देश्य से विगत रात्रि आयोजित राज्य स्तरीय युवा कवि सम्मेलन में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने प्रभु श्रीराम के ननिहाल और माता शबरी की पावन भूमि को नमन करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की धरती सदा से साहित्य और संस्कृति की धरा रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने उद्बोधन में कहा कि महाकवि कालिदास ने इसी धरती पर मेघदूत जैसे अमर काव्य की रचना की, वहीं गजानन माधव मुक्तिबोध और पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी जैसे यशस्वी साहित्यकारों ने इसी मिट्टी से अपनी पहचान बनाई। उन्होंने अपने पूर्व संसदीय क्षेत्र रायगढ़ के सुप्रसिद्ध संगीत सम्राट राजा चक्रधर सिंह को भी श्रद्धापूर्वक स्मरण किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग तथा खेल एवं युवा कल्याण विभाग का यह

अभिनव प्रयास प्रदेश की कला, साहित्य और रचनात्मक प्रतिभाओं को मंच प्रदान कर उन्हें प्रोत्साहन देने का उत्कृष्ट माध्यम है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार युवा साहित्यकारों, रचनाकारों और कलाकारों को निरंतर आगे बढ़ने के अवसर प्रदान कर रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने संभाग स्तरीय प्रतियोगिताओं से चयनित तीनों विजेताओं को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि इस मंच के माध्यम से युवा कवियों को देश के ख्यातिलब्ध कवियों से मार्गदर्शन प्राप्त होगा, जिससे उनके रचनात्मक विकास को नई दिशा मिलेगी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री एवं खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री अरुण साव ने कहा कि यह सम्मेलन केवल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि युवा कवियों के लिए सीखने और सृजन की प्रेरणा का अवसर है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की कला और संस्कृति आरंभ से ही समृद्ध रही है — यहाँ मनुष्य के जीवन से लेकर मृत्यु तक हर अवसर पर गीत गाए जाते हैं।

उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि जब खेतों में बुआई का समय आता है, तो पूरे वातावरण में ददरिया की मधुर ध्वनि गूंजती है। यहाँ विविध वाद्य, गीत, नृत्य और लोककलाओं की अनूठी परंपरा रही है। श्री साव ने कहा कि यह प्रदेश संतों, महात्माओं और कवियों की कर्मभूमि रहा है, जहाँ से समाज को सदैव नई दिशा मिली है। उन्होंने प्रदेशभर से आए युवा कवियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें अपनी रचनाओं के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का आह्वान किया।

सम्मेलन में देश के प्रतिष्ठित कवि श्री शशिकांत यादव, श्री दिनेश बावरा, श्री नीलोत्पल मृणाल, सुश्री कविता तिवारी और सुश्री मनु वैशाली ने अपनी ओजपूर्ण एवं भावनात्मक कविताओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। पूरा सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

राज्य स्तरीय युवा कवि प्रतियोगिता में बिलासपुर जिले की निधि तिवारी ने प्रथम स्थान, मीरा मृदु ने द्वितीय स्थान तथा कोरिया जिले की अलीशा शेख ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने सभी विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर उच्च शिक्षा मंत्री श्री टंक राम वर्मा, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, कौशल विकास मंत्री गुरु खुशवंत साहेब, पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल, विधायक श्री मोतीलाल साहू, छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष श्री विश्व विजय सिंह तोमर सहित विभिन्न आयोग एवं मण्डल के अध्यक्ष, जनप्रतिनिधि, साहित्यकार, कवि एवं बड़ी संख्या में श्रोता उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

डिप्रेशन से मुक्त होना है तो करें ईर्ष्या का त्याग : मनीष सागरजी महाराज

रायपुर। विवेकानंद नगर स्थित श्री ज्ञानवल्लभ उपाश्रय में जारी चातुर्मासिक प्रवचनमाला में उपाध्याय प्रवर युवा मनीषी श्री मनीष सागरजी महाराज ने कहा कि ईर्ष्या आत्मा की शत्रु है। ईर्ष्या शरीर को गलाकर आत्मा के भीतर विकार पैदा करती है। डिप्रेशन का मुख्य कारण ईर्ष्या है। ईर्ष्या ही आत्मा को कमजोर कर देती है। ईर्ष्या से मनोबल कमजोर होता है। मान कषाय अधिक होने के ईर्ष्या की बीमारी आती है। डिप्रेशन से मुक्त होने ईर्ष्या का त्याग करना होगा। उपाध्याय भगवंत ने कहा कि दूसरों के दोष देखना और दूसरों पर आरोप लगाना बड़ा आसान है। इससे अपना विकास और सुधार नहीं हो सकता। अपना विकास तभी होगा जब हम आत्मकेंद्रित रहेंगे। रोटी, कपड़ा और मकान के बाद चौथी आवश्यकता ज्ञान है। जैन संस्कृति कहती है रोज स्वाध्याय करना चाहिए। वास्तव में अध्ययन करके स्वयं को लाभान्वित करना है।

पहले खुद में दृष्टि होना चाहिए। खुद की दोष निकालने की भावना होनी चाहिए। गुणों को ग्रहण कर ही स्वाध्याय की पूर्णता होगी। उपाध्याय भगवंत ने कहा कि स्वाध्याय और सत्संग के माध्यम से हम सत्य को जानने और जीने का प्रयत्न करते हैं। सच्चाई को जानना और स्वीकार करना ही हमारा मूल लक्ष्य है। नवपदों की आराधना का मुख्य लक्ष्य सिद्ध पद की प्राप्ति करना है। बस हमारा विजन सही रहना चाहिए। हमारा दर्शन,चारित्र्य, ज्ञान और तप ये चार गुण विपरीत होगा तो हम आत्म कल्याण नहीं कर पाएंगे। इसी कारण से आत्मा का भ्रमण संसार में चलते रहता है। इन गुणों को ठीक करना है। तभी हम आत्म कल्याण की ओर आगे बढ़ पाएंगे। उपाध्याय भगवंत ने कहा कि यदि व्यक्ति के पुरुषार्थ की दिशा सही है तो फल भी सही मिलता है। व्यक्ति कम पुरुषार्थ में भी आगे बढ़ सकता है। बहुत अधिक पुरुषार्थ भी फल नहीं देता है। पुरुषार्थ की दिशा ठीक होगी तो कम मेहनत से भी अधिक फल मिल जाएगा। यही सम्यक दर्शन है। हमें हमारी दिशा को बदलना है। यदि गलत दिशा में जा रहे हैं तो मंजिल तक पहुंच नहीं पाएंगे। सही दृष्टिकोण और सही विजन ही सम्यक दर्शन है।

बारिश की संभावना, कई जिलों में बिजली गिरने का भी अलर्ट

रायपुर। छत्तीसगढ़ में पिछले 24 घंटे के दौरान सभी संभागों अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा हुई. वहीं कुछ जगहों पर भारी बारिश की दर्ज की गई। इस दौरान सब्से ज्यादा तापमान दुर्ग में 31.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया. मौसम विभाग ने रविवार को अनेकों स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है. वहीं कुछ जगहों पर बिजली गिरने की भी आशंका है। इसके अलावा आज से बारिश की रफ्तार में कमी आने की संभावना है। बारसूर में सर्वाधिक 7 सेमी बारिश दर्ज की गई. इसके अलावा बिहारपुर में 6, कुसमी, छुरा, कशडोल, बोदारी और दौरा कोचली में 5-5 सेमी, पचपेड़ी और सोनहत में 4-4 सेमी, जबकि पेंड्रा, अहिवारा, भखारा, मस्तूरी, कुनकुरी, चांदो, भटगांव और बैकुण्ठपुर में 3-3 सेमी वर्षा रिकॉर्ड की गई। अधिकांश अन्य स्थानों पर 3 सेमी से कम बारिश हुई । मौसम विभाग ने अगले तीन घंटों में कई जगहों पर बारिश की संभावना जताई है. नारायणपुर, उत्तर बस्तर कांकेर, बालोद, राजनांदगांव, जांजगीर-चांपा, रायगढ़, कोरबा, जशपुर, सुरगुजा, सूरजपुर, बलरामपुर में मेघगर्जन, बिजली गिरने, अचानक तेज हवा (30-40 KMPH) और वर्षा होने की आशंका है। यहां यलो अलर्ट जारी किया गया है।

राजधानी में 19 हजार से अधिक फर्जी राशन कार्डों का खुलासा

रायपुर। राशन कार्डों का बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आया है। इसमें रायपुर राजधानी 19,574 फर्जी राशन कार्ड के साथ पहले और दुर्ग 18,112 के साथ दूसरे नंबर पर है। वन नेशन वन राशन कार्ड योजना के तहत तैयार आंकड़ों की जांच में पता चला कि 46 लाख से अधिक सदस्य संदिग्ध हैं। इनमें बड़ी संख्या ऐसे परिवारों की है, जिन्होंने डुप्लीकेट आधार कार्ड, मृत व्यक्तियों के नाम और फर्जी दस्तावेजों से राशन कार्ड में सदस्य जोड़ रखे थे। खाद्य विभाग की ओर से शुरू किए गए भौतिक सत्यापन अभियान में अब तक 1 लाख 93 हजार 67 फर्जी सदस्य चिन्हांकित कर उनके नाम काट दिए गए हैं। विभाग का मानना है कि यह कार्रवाई राशन वितरण प्रणाली को पारदर्शी बनाने और फर्जीवाड़ा रोकने के लिए बेहद अहम है। रायपुर में सबसे ज्यादा में 19,574 फर्जी सदस्य उजागर हुए हैं। दुर्ग में 18,112, जांजगीर-चांपा में 17,529, राजनांदगांव में 17,327 और कोरबा में 16,064 भी गड़बड़ी वाले शीर्ष जिलों में शामिल हैं। सरगुजा में 15,626, बलौदाबाजार में 13,833, महासमुंद में 13,308, धमतरी में 10,937 और कवर्धा में 9,987 में भी बड़ी संख्या में नाम हटाए गए। दूसरी ओर गरियाबंद में 7,027 और कांकेर में 7,669 ऐसे जिले रहे, जहां अपेक्षाकृत कम फर्जी सदस्य मिले। जशपुर में 9,727, बालोद 8,925 और बेमेतरा 8,641 में भी गड़बड़ी सामने आई।

रायपुर जिले के आरंग में खुलेगा नया केंद्रीय विद्यालय

रायपुर। केंद्रीय मंत्रिमंडल की आर्थिक कार्य समिति ने रायपुर जिले के आरंग में नए केंद्रीय विद्यालय की स्थापना को स्वीकृति प्रदान की है। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस निर्णय के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह पहल प्रदेश के बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के बेहतर अवसर उपलब्ध कराएगी। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में शिक्षा के अवसरों के विस्तार की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि यह विद्यालय न केवल आरंग क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए वरदान साबित होगा, बल्कि आस-पास के ग्रामीण अंचलों में भी शिक्षा की नई चेतना जागृत करेगा।मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार राज्य के सभी अंचलों में शिक्षा के स्तर को बेहतर बनाने, स्कूलों के बुनियादी ढाँचे को मजबूत करने और विद्यार्थियों को समान अवसर उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य की डबल इंजन सरकार के समन्वित प्रयासों से छत्तीसगढ़ में शिक्षा का नया युग प्रारंभ हो रहा है।

संपादकीय

आई लव मोहम्मद को लेकर बवाल

उत्तर प्रदेश के बरेली में जुमे पर आई लव मोहम्मद को लेकर हुए बवाल पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ऐसा सबक सिखाएंगे कि आने वाली पीढ़ी तक दंगा करना भूल जाएगी। एक मीडिया संस्थान के कार्यक्रम में सरकार के सख्त संदेश के बाद योगी ने कहा कि मौलाना भूल गया कि शासन किसका है, मैंने बोला जाम नहीं होगा, न ही कर्फ्यू लगेगा। यह चेतावनी इत्तेहाद-ए-मिल्लत काउंसिल के प्रमुख मौलवी तौकीर रजा खान के लिए बताई जा रही है जिन्होंने आई लव मोहम्मद अभियान के नाम पर विरोध-प्रदर्शन का आह्वान किया था। रजा को पुलिस ने गिरफ्तार किया और चौदह दिन के लिए जेल भेज दिया गया। उनतालिस अन्य लोगों को भी हिरासत में लिया गया है। आरोप है कि बाराबंकी में शुक्रवार को देर रात आई लव मोहम्मद का पोस्टर फाड़ने के बाद हंगामा हो गया था। दरअसल, बारावफात के जुलूस के दौरान कानपुर के कुछ मुस्लिम इलाकों में आई लव मोहम्मद वाले पोस्टर/बैनर रास्ते में लगाने से हिन्दूवादी संगठनों ने आपत्ति की थी। कुछ लोगों के खिलाफ शिकयत दर्ज होने और पंद्रह अज्ञात लोगों पर एफआईआर दर्ज होने पर मामले ने तूल पकड़ लिया। देश के अन्य इलाकों में भी लोग आई लव मोहम्मद की तख्तियां लेकर सड़कों पर उतर आए। विरोधस्वरूप कुछ हिन्दुत्ववादियों ने आई लव महादेव/महाकाल जैसे बैनर लगाने चालू कर दिए। संदेह व्यक्त किया जा रहा है कि रजा पंद्रह साल पहले हुए दंगों की तर्ज पर शहर को सुलगाने की साजिश कर रहा था। भड़काऊ बयानों द्वारा भीड़ को इकट्ठा करने और पत्थरबाजी कराने, चाकू-डंडे आदि से दहशत फैलाने के सबूत पाए गए हैं। मौके से अवैध हथियारों का मिलना इस बात की तस्दीक कर रहे हैं कि जानबूझकर शहर को दंगों में झोंकने की साजिश की जा रही थी। चूंकि नमाज के वक्त स्थानीय पुलिस इलाके में मुस्तैद थी, इसलिए उसने फौरन उपद्रवियों को काबू में कर लिया। बता रहे हैं कि फसाद करने वालों को इंटरनेट के माध्यम से निर्देशित किया जा रहा था। उपद्रवियों ने पुलिस वालों पर भी हमला किया और उनके उपकरण छीनने के प्रयास किए। निस्संदेह राज्य के मुखिया द्वारा दी गई यह धमकी कतई उचित नहीं कही जा सकती। मगर यदि वास्तव में शहर में उपद्रव फैलाना किसी का मकसद था तो उसे खुला भी नहीं छोड़ा जा सकता। यह बात धर्म विशेष तक नहीं सीमित रहनी चाहिए, बल्कि पूर्वाग्रहों के बगैर किसी भी उपद्रवी, साजिशकर्ता और दहशतगर्द के साथ मुलायमियत से पेश आने की जरूरत नहीं है।

ज्यादा सुर्खियां पा गया हाथ नहीं मिलाना

मनोज चतुर्वेदी

भारत-पाकिस्तान के बीच क्रिकेट एशिया कप मुकाबले में न तो बहले जैसा रोमांच दिखा और न ही दीवानगी दिखी। वहीं मैच में भारत के सात विकेट से जीत के दौरान कप्तान सूर्यकुमार यादव, ओपनर अभिषेक शर्मा और चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यादव के प्रदर्शन के मुकाबले मैच में दोनों टीमों का हाथ नहीं मिलाना ज्यादा सुर्खियां पा गया। एकतरफा हार से बुरी तरह हताश पाकिस्तान टीम ने हाथ नहीं मिलाने के मुद्दे को एशिया कप के बायकाट की धमकी तक पहुंचा दिया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने इस आईसीसी से शिकायत करते हुए कहा है कि मैच रेफरी एंडी पायक्राफ्ट को नहीं हटाया तो वह एशिया कप से हट जाएगा। पीसीबी के चेयरमैन मोहसिन नकवी, जो एशियाई क्रिकेट काउंसिल के भी अध्यक्ष हैं, ने एक्स पर पोस्ट डाल कर इस शिकायत की पुष्टि की है। उन्होंने लिखा है कि पीसीबी ने क्रिकेट की भावना से जुड़े एमसीसी के नियम और आईसीसी की आचार संहिता के उल्लंघन को लेकर मैच रेफरी के खिलाफ दर्ज शिकायत में मैच रेफरी को तत्काल प्रभाव से हटाने की मांग की है। पाकिस्तानी मीडिया के अनुसार मांग नहीं माने जाने पर पाकिस्तान चैंपियनशिप से हट सकता है। खबरों के मुताबिक पायक्राफ्ट टॉस से पहले पाकिस्तान के कप्तान सलमान आगा को एकतरफ ले गए और कहा कि दोनों कप्तानों के बीच हैंडशेक नहीं होगा। यह भी कहा गया कि मैच के बाद पाकिस्तान टीम कुछ दूरी तक भारतीय ड्रेसिंग रूम की तरफ गई पर कोई जवाबी प्रतिक्रिया न देख कर लौटगई। पीसीबी के अनुसार टीम मैनेजर नवेद चीमा ने भारतीय खिलाड़ियों के खेल भावना के विपरीत व्यवहार की शिकायत की है। आइसीसी के पाकिस्तान की शिकायत पर झुकने की संभावना नहीं है। इसकी वजह है कि रूल में हाथ मिलाने को लेकर खास निर्देश नहीं है। यह असल में नियम न होकर परंपरा मात्र है। वैसे भी खेलों में इस तरह की घटनाएं होती रहती हैं। साल 2023 के विम्बलडन में ही यूक्रेन की एलिना स्वितोलिना ने बेलारूस की विक्टोरिया अजारेंका से खेलते समय यह कहते हुए हाथ मिलाने से इंकार कर दिया था कि उनके देश ने हमारे देश पर हमला किया है। आयोजकों ने इस घटना पर कोई कार्रवाई नहीं की थी। पाकिस्तान को अपना मैच 17 सितम्बर को यूएई से खेलना है। पाकिस्तान यदि इस मैच में नहीं खेलता है तो उसके सुपर फोर में पहुंचने की सारी संभावनाएं खत्म हो जाएंगी। इसकी वजह यह है कि यूएई ओमान से मैच जीत चुका है, और पाकिस्तान नहीं खेलता है तो उसके चार अंक हो जाएंगे और वह सुपर फोर में पहुंच जाएगी। इसलिए यह तय है कि अगले 24 घंटे में पाकिस्तान को लेकर सारी स्थितियां स्पष्ट हो जानी हैं। सभी जानते हैं कि कुछ दिनों पहले पहलगाम में पाकिस्तान पोषित आतंकियों ने हमला करके निदरेषों को मार दिया था। इसे ध्यान में रखकर ही पाकिस्तान से मैच खेलने का विरोध किया जा रहा था पर सरकार की नीति है कि आईसीसी टूर्नामेंटों में भारत और पाकिस्तान खेल सकते हैं। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने मैच के बाद कहा कि टीम ने मिल कर हाथ नहीं मिलाने का फैसला किया था। यह कदम पहलगाम आतंकी हमले में शहीद 26 निदरेषों के परिवारों के साथ एकजुटता दिखाने वाला कदम है। उन्होंने कहा कि कुछ बातें खेल भावना से ऊपर होती हैं। हम अपने सशस्त्र बलोंऔर उनके परिवारों के साथ खड़े हैं। पाकिस्तान खेलने का फैसला करता है तो इस स्थिति का एक या दो बार सामना करना पड़ सकता है। पर भारत यदि इस ट्रॉफी को जीतता है तो उसके सामने भी परीक्षा की घड़ी आनी है। एशियाई क्रिकेट काउंसिल के अध्यक्ष होने के नाते मोहसिन नकवी विजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान करेंगे। उस सूरत में देखने वाली बात होगी कि भारत उनके हाथों से ट्रॉफी लेता है, या नहीं। जहां तक बात पाकिस्तान के साथ मुकाबले की है तो उसमें बिल्कुल दम नजर नहीं आया।

वैश्विक कूटनीति का चातुर्य काल, मोदी डॉक्ट्रिन से मजबूत हुआ भारत

कमलेश पांडे

वैश्विक कूटनीति के चातुर्य काल का तात्पर्य उस दौर से है जब विश्व के देशों के बीच कूटनीति (राजनय) और अंतरराष्ट्रीय संबंधों में निपुणता, समझदारी और रणनीतिक कुशलता अत्यधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। इस काल में देशों को सीमाओं के पार जटिल राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक संदर्भों में अपने हितों की रक्षा और विस्तार के लिए सूझ-बूझ, संतुलन, संवाद, और मध्यस्थता करनी पड़ती है। 21वीं सदी में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वैश्विक कूटनीति के चातुर्य काल के अधिष्ठाता समझे जाते हैं। उन्होंने समकालीन विश्व को जो कूटनीतिक संदेश दिया है, वह ।मोदी डॉक्ट्रिन यानी मोदी सिद्धांत के नाम से मशहूर है।

कहना न होगा कि अंतरराष्ट्रीय कूटनीति का यह काल वैश्विक सत्ता संघर्ष, क्षेत्रीय विवाद, आर्थिक साझेदारी, तकनीकी और आर्थिक सहयोग तथा बहुपक्षीय कूटनीतिक पहलों के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय माहौल को स्थिर और सकारात्मक बनाए रखने के लिए दक्षता और चतुराई की आवश्यकता पर जोर देता है। उदाहरण के रूप में, भारत की हाल की विदेश नीति में अमेरिका-चीन प्रतिद्वंद्विता, मध्य पूर्व संघर्ष, रूस-यूक्रेन युद्ध जैसे वैश्विक तनावों के बीच तटस्थता और संतुलन बनाए रखने की रणनीति, और क्षेत्रीय सहयोग जैसे क्वाड पहल शामिल हैं, जो वैश्विक कूटनीति के चातुर्य काल की एक झलक हैं।

नि:सन्देह, इस काल में कूटनीतिक क्रियाकलाप बिना बल प्रयोग के अपने राष्ट्रों के योगदान और सुरक्षा सुनिश्चित करने पर केंद्रीत होते हैं। इसलिए, वैश्विक कूटनीति के चातुर्य काल का मतलब समग्र वैश्विक वातावरण में सूझ-बूझ और सामंजस्यपूर्ण कूटनीतिक प्रयासों के माध्यम से अपने और वैश्विक हितों को संतुलित और सुरक्षित रूप से आगे बढ़ाने की क्षमता को कह सकते हैं। यह मोदी डॉक्ट्रिन यानी मोदी सिद्धांत से प्रभावित है।

दरअसल, मोदी डॉक्ट्रिन का मतलब है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वह नीति-संहिता, जिसमें भारत अपनी विदेश नीति, सुरक्षा नीति और आतंकवाद के खिलाफ रणनीति में पहले से काफी ज्यादा आक्रामक, आत्मनिर्भर और सक्रिय हो गया है। इस सिद्धांत के तहत भारत हर अंतरराष्ट्रीय मसले में 'भारत के हित' को सर्वोपरि रखता है। भारत अब किसी एक गुट का हिस्सा नहीं बनता, बल्कि सभी देशों से कूटनीतिक संबंध मजबूत करता है। भारत 'मल्टी-अलाइनमेंट' को प्रोत्साहित करता है, ताकि उसकी रणनीतिक स्वतंत्रता बनी रहे। लिहाजा, 'मेक इन इंडिया' और आर्थिक-तकनीकी आत्मनिर्भरता का भी इसमें खास महत्व है। मोदी डॉक्ट्रिन के अनुसार, भारत अब आतंकवाद के खिलाफ सिर्फ डिफेंसिव नहीं, बल्कि आक्रामक रणनीति अपनाता है। सर्जिकल स्ट्राइक, बालाकोट एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर जैसी कार्रवाइयों ने यह दिखाया है कि भारत अब अपनी सुरक्षा के लिए सीमा-पार कार्रवाई करने से नहीं डरता। अब भारत आतंकवादियों के खिलाफ डोजियर भेजने की नीति को छोड़कर, सीधे सैन्य दबाव बनाता है। भारत की संप्रभुता के खिलाफ किसी भी कार्रवाई पर तत्काल और कठोर जवाब दिया जाता है। किसी भी तरह के परमाणु युद्ध या जमीनी युद्ध के डर से भारत पीछे नहीं हटता; बल्कि भारत अपनी शर्तों पर कार्रवाई करता है। भारत की मजबूत स्थिति का अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि पाकिस्तान के ऊपर परोक्ष रूप से चीनी/अमेरिकी हाथ होने के बावजूद भारत ने उसके छक्के छुड़ा दिया और युद्धोंमत पाकिस्तान को भारत के समक्ष घुटने टेकने व गिड़गिड़ाने को मज़बूर कर दिया।

भारतीय संस्कृति, सभ्यता और योग जैसे वैश्विक अभियान भी इसी नीति का हिस्सा हैं। मोदी डॉक्ट्रिन का मतलब है- निर्णायक, निर्भीक, आक्रामक, बहुपक्षीय, आत्मनिर्भर और भारत-हित केंद्रित नीति, जिससे भारत वैश्विक मंच पर ज्यादा शक्तिशाली स्थिति में पहुंचा है। मसलन, आधुनिक संकटों में चातुर्य काल की अवधारणा को लागू करने का मतलब है जीवन में अनुशासन, संयम, और सूझ-बूझ के साथ संकटों का सामना करना। चातुर्य काल में आत्मसंयम, भक्ति, सामाजिक नियमों का पालन, और मानसिक संतुलन बनाए रखना महत्वपूर्ण होता है। इसी प्रकार, आधुनिक संकटों में- जैसे आर्थिक संकट, पर्यावरणीय समस्याएं, सामाजिक अस्थिरता या वैश्विक तनाव- इन गुणों का पालन करके स्थिरता और समाधान की दिशा में काम किया जा सकता है।

चातुर्य काल की तरह, जब हम सीमित संसाधनों में संयमित और विवेकपूर्ण निर्णय लेते हैं, अपने जीवन में नियम और संतुलन बनाए रखते हैं, तो कठिनाइयों का सामना करना आसान हो जाता है। जैसे पारंपरिक चातुर्मास में व्रत और तपस्या से मन की शांति और अनुशासन मिलता है, वैसे ही आधुनिक संकटों में धैर्य, समझदारी, और संतुलित दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक है। इसका अर्थ है कि जब बाहरी परिस्थितियाँ अनिश्चित या कठिन हों, तब भी आंतरिक स्थिरता, नैतिकता, और सामाजिक जिम्मेदारी बनाए रखते हुए समाधान खोजने का प्रयास करना। आधुनिक दुनिया में यह वैश्विक कूटनीति, पर्यावरण संरक्षण, आर्थिक नीति, और सामाजिक सौहार्द जैसे क्षेत्रों में लागू किया जा सकता है, जहां सरल जीवन और विवेकपूर्ण कूटनीति से संकट प्रबंधन संभव होता है। वाकई वैश्विक कूटनीति के 'चातुर्य काल' के बाबत भारत के प्रधानमंत्री मोदी सिद्धांत को इस अद्भुत 'चातुर्य काल' का श्रेय देना ज्यादा उपयुक्त होगा, क्योंकि समकालीन विश्व में चाहे अमेरिका हो, चीन हो, रूस हो, यूरोपीय संघ हो, या अरब देश हों, सभी भारत के युगांतरकारी गुटनिरपेक्ष कूटनीति की मुखापेक्षी बने हुए हैं। चाहे ऑस्ट्रेलिया हो, अफ्रीकी देश हों या दक्षिण अमेरिकी देश, लगभग सभी भारत की तरह संतुलित राह पर अग्रसर रहना चाह रहे हैं। भारत की बढ़ती प्रगति और मजबूत होते आर्थिक व सैन्य सामर्थ्य से उनकी परिवर्तित निष्ठा भी स्वाभाविक है। चूंकि दुनिया के अधिकांश देश रूढ़िवादी/अनुदार देश हैं, इसलिए वो देश भारत की जनापेक्षी मौलिक नीतियों की नकल भी सही तरीके से नहीं कर पा रहे हैं। इसलिए इसको नख से सिख तक समझना हरेक भारतीय के लिए बहुत जरूरी है। सच कहूं तो शांतिपूर्ण विकास व सहअस्तित्व का सिद्धांत ही मोदी प्रशासन का एकमात्र ध्येय है। लेकिन इससे हथियार व गोली-बारूद निर्माता षड्यंत्रकारी पश्चिमी-पूर्वी देशों की अर्थव्यवस्था चरमराने लगी है।

कहना न होगा कि पश्चिमी देश भले ही लोकतंत्र व शांति की माला जपते हैं, लेकिन पर्दे के पीछे से अशांति पैदा करने के लिए आतंकवाद, नक्सलवाद और अंडरवर्ल्ड के गुप्त संरक्षक भी यही हैं ताकि इनके हथियार व गोली बारूद का कारोबार चमकता रहे। इनके नशे और आपराधिक गोरखधंधे का तस्करी नेटवर्क खूब फल-फुले। इससे चिकित्सा व सुरक्षा उपकरणों की बिक्री भी खूब बढ़ती है। क्रिप्टो करेंसी व हवाला की आड़ में ये पूरी दुनिया को अस्थिर व असुरक्षित बनाये हुए हैं।

हालांकि, जब दुनिया के विभिन्न देशों की समझदारी बढ़ी व पूंजीवादी कब्जे तथा लाभ के एकसमान बंटवारे की बात उठी तो उनमें परस्पर होड़ मच गई। फिर इन्होंने क्षेत्र व धर्म के नाम पर इनकी पारस्परिक गोलबंदी बढ़ी। जहां एक ओर ईसाई व यहूदी देश एक हुए, वहीं दूसरी ओर मुस्लिम देश भी परस्पर एक हुए। इससे तीसरी ओर भी जागरूकता बढ़ी और विश्व के हिन्दू-बौद्ध-सिख-जैन धर्म आदि धर्मों से प्रभावित देश भी एकजूट होने के लिए सोचने लगे और भारत-चीन जैसे सामर्थ्यवान देशों ने अपने अंतर्विरोधों को पाटने को सतर्क हो गए।

यदि पुरानी प्रतिद्वंद्विता की बात छोड़ भी दें तो मौजूदा दौर में जी-7, जी-20 बनाम ब्रिक्स व ग्लोबल साउथ के देशों में जो स्वहित साधन की होड़ मची हुई है, उसका ध्येय भी लगभग यही है। इसलिए कोई अमेरिकी छतरी तले जा रहा है तो कोई उसे उतारकर फेंक रहा है। कोई चीनी छतरी में जाने को बेताब है तो कोई इससे परहेज कर रहा है। इससे रूस व भारत की वैश्विक साख पुन: चमक उठी है। दुनियावी देश इनकी वस्तुनिष्ठ नीतियों पर फिदा हुए हैं।इससे परेशान अमेरिका-यूरोप के द्वारा जहां रूस के विरोधी यूक्रेन को भड़काकर रूस पर निरंतर हमलावर बना दिया गया है, वहीं भारत के खिलाफ पाकिस्तान/बंगलादेश को अक्सर सहयोग देकर खड़ा कर दिया जाता है।

उधर, सम्भावित रूस, भारत, चीन गठजोड़ को कमजोर करने के लिहाज से तीसरे प्रमुख देश चीन के खिलाफ भी कभी ताइवान को भड़काया जाता है तो कभी तिब्बत के मसले की हवा दी जाती है। कभी चीन के शिनजियांग प्रान्त के मुस्लिम उत्पीड़न को उभारने की कोशिश की जाती है।चूंकि रूस-चीन-भारत के अंतर्विरोधों से दुनिया सशंकित रहती है, इसलिए क्षुद्र अमेरिकी कूटनीति प्राय: हर जगह सफल हो जाती है। हालांकि, इसी प्रतिक्रियास्वरूप अमेरिका पूरी दुनिया में जहां-जहां भी खड़ा होने के लिए मेहनत करता है, वहां-वहां रूस-चीन-ईरान भी उसके पांव उखाड़ने में मशगूल लगते हैं। यदि वियतनाम, लीबिया, इराक युद्ध में अमेरिकी विफलता की बात अभी भुला भी दी जाए तो अफगानिस्तान से लेकर अरब व खाड़ी देशों तक में अमेरिकी पांव उखाड़ने में रूस-चीन सफल होते प्रतीत हो रहे हैं। नाटो की तर्ज पर इस्लामिक नाटो बनना इस नजरिए से एक बड़ा संकेत है। इसमें पाकिस्तान ने भी रूस-चीन का गुप्त साथ दिया है। जिससे अमेरिका यहां भी अलग-थलग पड़ गया है।

यद्यपि इजरायल को लेकर अमेरिका अरब और खाड़ी देशों में अपनी मौजूदगी रखता है, फिर भी यहां ईरान उसके खिलाफ है। चूंकि इजरायल तो अकेले सभी मुस्लिम देशों की नाक में दम कर रखा है, इससे शिया व सुन्नी देश में बंटे अरब व खाड़ी देश भी पारस्परिक बैरभाव भूलकर पश्चिमी नाटो की तर्ज पर इस्लामिक नाटो बना रहे हैं। वहीं, पाकिस्तान जैसा दोगला मुल्क इस्लामिक संघ के साथ है, अमेरिका के साथ है या चीन के साथ, भरोसे के साथ कुछ भी कहा नहीं जा सकता। सुन्नी देश पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्किये के साथ है, लेकिन ईरान के साथ रहेगा या नहीं, वही जाने।

इसी तरह से भारत और इजरायल में समझदारी भरी मित्रता है, क्योंकि दोनों के अस्तित्व को मुस्लिम एकजुटता से खतरा है। यह भारतीय कूटनीति का ही कमाल है कि इजरायल के दुश्मन ईरान से भी भारत की अच्छी समझदारी भरी मित्रता है। पहले अमेरिकी प्रभाववश ईरान से दूरी बनी थी, लेकिन रूस के साथ मिलकर उसे भी पाट दिया गया। भारत एक साथ अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस, जर्मनी, इंग्लैंड, इटली, जापान, ऑस्ट्रेलिया, उत्तरकोरिया, दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील आदि को साधकर अपने विकास की ओर अग्रसर है। इससे अमेरिका के पेट में मरोड़ उठता रहता है, जबकि रूस भारतीय मित्रता भाव से संतुष्ट रहता है। यही भारत की ताकत भी है।

देखा जाए तो दुनियावी देशों की इन सब द्विपक्षीय कोशिशों का एक मात्र ध्येय यही है कि खुद को आर्थिक व सैन्य दृष्टि से निरंतर मजबूत कीजिए, और अपने हित साधन के लिए दूसरे देशों को परस्पर उलझते रहने दीजिए। जब भी मौका मिले तो निज स्वार्थ के खातिर लोकतंत्र, शांति व विकास की माला जपिए, लेकिन कहीं तानाशाहों को बढ़ावा दीजिए, तो कहीं चरणरज मूर्ख नेताओं को जनतांत्रिक गद्दी दिलवाइए, ताकि उनकी मदद की आड़ में वहां के प्राकृतिक संसाधनों को लूटा जा सके और अपना लाभदायक व्यापार उन पर थोपा जा सके।

हालांकि, पहले औद्योगिक क्रांति और फिर सूचना क्रांति ने दुनिया के सभी देशों को जगा दिया है। जैसे प्राचीन युग में भूमि-पशुधन संसाधनों पर काबिज होने के लिए युद्ध होते थे, उसी तरह से मध्य युग में धर्म के नाम पर धर्मयुद्ध होने लगे। इसी बीच औद्योगिक क्रांति होने से जब पूंजीवादी देश लोकतंत्र के नाम पर दूसरे देशों पर हावी होने लगे तो इन्हीं में से कुछ ने साम्यवाद और समाजवाद का स्वर बुलंद करके इन्हें काबू में रखने की कोशिशें की। रूस-चीन को इसका श्रेय जाता है। इसी दौर में यानी 20वीं सदी में यूरोपीय देशों में दो दो विश्व-युद्ध हुए, जिसमें एशियाई उपनिवेशों को भी शामिल किया गया। सच कहूं तो भारत-चीन जैसे एशियाई देशों को आजाद करवाने में इन विश्व युद्धों की बड़ी भूमिका है, क्योंकि इससे इंग्लैंड कमजोर हुआ। बताते चलें कि प्रथम विश्व युद्ध मुख्य रूप से दो गठबंधनों के बीच लड़ा गया था: एक ओर मित्र राष्ट्र, जिनमें फ्रांस, ब्रिटेन, रूस, इटली और संयुक्त राज्य अमेरिका (बाद में शामिल) जैसे देश थे, और दूसरी ओर केंद्रीय शक्तियाँ, जिनमें जर्मनी, ऑस्ट्रिया-हंगरी, बुल्गारिया और ओटोमन साम्राज्य शामिल थे। हालांकि रूस बाद में युद्ध से हट गया। जबकि इटली (1915 से) और संयुक्त राज्य अमेरिका (1917 से) प्रथम विश्व युद्ध में जुड़ गए थे। अन्य देश जैसे जापान, सर्बिया, ग्रीस और अन्य देश बाद में मित्र राष्ट्रों में शामिल हुए। वहीं, केंद्रीय शक्तियाँ में जर्मनी, ऑस्ट्रिया-हंगरी, ओटोमन साम्राज्य, बुल्गारिया शामिल थे। यह युद्ध एक वैश्विक संघर्ष था जिसकी शुरुआत सर्बिया और ऑस्ट्रिया-हंगरी के बीच एक क्षेत्रीय संघर्ष के रूप में हुई थी, लेकिन बाद में यह कई यूरोपीय साम्राज्यों के बीच फैल गया और इसमें 30 से अधिक देशों ने हिस्सा लिया।

भारत, इस्राइल और पश्चिमी देशों के लिए नई चुनौती

डॉ. सुरेन्द्र कुमार मिश्र

विगत 17 सितम्बर 2025 को सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच एक रणनीतिक गठबंधन 'स्ट्रेटजिक म्युचुअल डिफेंस एग्रीमेंट' रियाद में हुआ। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के बीच हस्ताक्षर हुए जिसे वर्तमान दौर का इस्लामिक नाटो (मुस्लिम उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन) समझौता का नाम दिया जा रहा है।

इस समझौते में कहा गया है कि एक देश पर आक्रमण को दूसरे देश पर आक्रमण माना जाएगा। नाटो के अनुच्छेद-5 की तरह काम करने की बात कही गई है। इस समझौते से यह भी अब समझने की आवश्यकता है कि भारत पर इसका प्रत्यक्ष प्रभाव क्या होगा? भारत पर इसका प्रभाव समझने के पूर्व समझौते की व्याख्या करना जरूरी है। वास्तव में यह समझौता संभावित मुस्लिम महाशक्ति की नींव के रूप में देखा जा रहा है, जिसमें पाकिस्तान की परमाणु शक्ति तथा सऊदी अरब की आर्थिक ताकत के साथ आने के संकेत हैं। परिणामस्वरूप एक संभावित 'महाशक्ति' का उदय हो सकता है। समझौता पारंपरिक लेन-देन पर आधारित कूटनीति से बढ़कर संस्थागत सुरक्षा साझेदारी की ओर संकेत कर रहा है। पाकिस्तान का कहना है कि यह सुरक्षात्मक समझौता है, आक्रामक सोच वाला नहीं किंतु सऊदी अरब के अधिकारियों के मुताबिक समझौते के तहत 'सभी सैन्य साधन' भी शामिल होंगे। इस समझौते के पीछे एक तात्कालिक कारण यह है कि खाड़ी और मध्य पूर्व की सुरक्षा की स्थिति में बढ़ी हुई अनिश्चिता विशेष रूप से इस क्षेत्र में अन्य देशों के हथियारबंद संघर्ष एवं आक्रामक गतिविधियों के बढ़ने के चलते।

समझौते की मीमांसा के पूर्व इसकी प्रमुख बातों का भी उल्लेख जरूरी है ताकि इसके दूरगामी रणनीतिक पहलुओं को समझा जा सके-साझा सुरक्षा बंधन-अगर दोनों देशों से किसी एक देश पर असर होता है, तो उसे दोनों देशों पर हमला माना जाएगा। रक्षा सहयोग और समर्थन-इसके अंतर्गत दोनों देश सैन्य प्रशिक्षण, हथियारों की आपूर्ति, तकनीकी हस्तांतरण तथा सह-उत्पादन पर विशेष बल देंगे। परमाणु बचाव रणनीति-पाकिस्तान के पास लगभग 170 परमाणु हथियार हैं, जबकि सऊदी अरब के पास एक भी परमाणु हथियार नहीं हैं।

इस डील द्वारा पाकिस्तान सऊदी अरब को परोक्ष रूप से परमाणु सुरक्षा कवच प्राप्त होने की संभावना है। ईरान के परमाणु संकट को संतुलित करने हेतु-वास्तव में ईरान के परमाणु कार्यक्रम को बड़ा संकट मानकर उसका संतुलन स्थापित करने की दृष्टि से भी सऊदी अरब एवं पाकिस्तान का यह समझौता हुआ है। अमेरिकी की दोहरी भूमिका का परिणाम-इस डील में हाल में पाकिस्तान के साथ की गई डिफेंस डील और उसकी शांतिपूर्ण अनुमति के आधार पर हुई है, ताकि सऊदी अरब की सुरक्षा का बोझ पाकिस्तान पर डाला जा सके।

समझौते में प्रावधान है कि रक्षा के लिए सभी सैन्य साधनों का उपयोग किया जा सकता है। इसके तहत सैन्य सहयोग से लेकर आधुनिक रक्षा पण्रालियां भी शामिल हैं। दोनों देशों का कहना है कि यह रक्षा डील क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता के लिए है, पश्चिम एशिया और खाड़ी क्षेत्र की बदलती परिस्थितियों को विशेष रूप से दृष्टिगत रखते हुए किया गया है। इस समझौते के अंतर्गत सैन्य अभ्यास, सैन्य प्रशिक्षण तथा रक्षा तकनीकी, साझेदारी को विशेष बढ़ावा दिया जाएगा। यद्यपि यह समझौता प्रमुख रूप से रक्षा से संबद्ध है, लेकिन सऊदी अरब-पाकिस्तान संबंध पहले से ही तेल, वित्तीय सहायता और श्रमिक योगदान पर आधारित हैं। इस समझौते के साथ अब दोनों देशों के बीच प्रगाढ़ता और गहरी हो सकती है।

यह एक समझौता क्या भू-राजनीतिक समीकरण में बदलाव ला सकता है? यह समझौता एक नये ध्रुवीकरण का भी संकेत देता है, जो भारत की मध्य पूर्व में सामरिक भूमिका को भविष्य में बड़ी चुनौती दे सकता है। विचारणीय विषय यह है कि क्या इससे ध्रुवीकरण के इस दौर में समीकरण भी बदल जाएंगे? यह भारत के लिए रणनीतिक चुनौती बन सकता है, क्योंकि पाकिस्तान को सऊदी अरब से आर्थिक-राजनीतिक समर्थन मिलने पर कश्मीर में आतंकवाद जैसा संवेदनशील मुद्दा पुन: खड़ा हो सकता है, जो भारत की स्थिति हेतु बड़ा संकट बन सकता है।

अरब देशों ने हाल के महीनों में इस्राइल की आक्रामक कार्यवाहियों विशेष रूप से कतर तथा ईरान पर सैन्य हमलों के बाद अमेरिका की सुरक्षा साझेदार के रूप में विसनीयता पर प्रश्न चिन्ह लगाए हैं। निश्चित ही पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच रक्षा समझौते से भारत की चिंता बढ़ना स्वाभाविक है क्योंकि इसे सामान्य समझौता नहीं समझना चाहिए। चूंकि यह पश्चिम एशिया में बदलते भू-राजनीतिक समीकरणों के बीच हुआ है। भारत के साथ सऊदी अरब की आर्थिक साझेदारी भी गहरी है। सऊदी अरब भारत का पांचवां सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार जबकि भारत उसका दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक सहयोगी है। यही नहीं, सऊदी अरब में भारत-पाकिस्तान के तनाव के दौरान संयमित रुख अपनाया। पुलवामा आतंकी हमलों की निंदा की किंतु भारत द्वारा अनुच्छेद 370 को हटाने तथा बालाकोट हमलों की आलोचना करने से भी परहेज किया। सऊदी अरब का सर्वोच्च नागरिक सम्मान वर्ष 2016 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को उनकी यात्रा के दौरान दिया गया। ऐसी स्थिति में भारत को संयम, सतर्कता, सजगता एवं संतुलित ढंग से काम करने की आवश्यकता है। वास्तव में यह समझौता भारत के लिए अपने पश्चिमी पड़ोस के प्रबंधन को जटिल बनाता है, विशेषकर इसलिए क्योंकि यह इस्लामी दुनिया में पाकिस्तान की स्थिति को सक्षम और सशक्त करता है। भारत की चिंताएं और चुनौतियां समझौते पर उसकी आधिकारिक टिप्पणी और बयानबाजी से समझी जा सकती हैं। पाकिस्तान कभी भी भारत का भरोसेमंद नहीं रहा व उसकी राजनीति भी भारत विरोध पर ही संचालित होती है। निर्विवाद है कि यह गठबंधन बड़ा आकार लेता है, तो खाड़ी और दक्षिण एशिया की सुरक्षा रणनीति को बदल सकता है। यह समझौता भारत, इस्राइल और पश्चिमी देशों के लिए नई चुनौती बन सकता है।

(लेख में व्यक्त विचार निजी हैं)

शरद पूर्णिमा अमृत बरसाने वाली रात

2025 की शरद पूर्णिमा इस बार विशेष रूप से 6 अक्टूबर, सोमवार को मनाई जाएगी। पंचांग के अनुसार, पूर्णिमा तिथि 6 अक्टूबर की सुबह 06.18 बजे से शुरू होकर 7 अक्टूबर की सुबह 04.53 बजे तक रहेगी। इस साल की शरद पूर्णिमा कई मायनों में खास मानी जा रही है क्योंकि इसे अमृत बरसाने वाली रात के रूप में जाना जाता है।

चंद्रमा का अमृतमय प्रकाश और शुभ मुहूर्त
शास्त्रों के अनुसार शरद पूर्णिमा की रात्रि में चंद्रमा अपनी 16 कलाओं के साथ उदित होता है और पृथ्वी पर अमृत वर्षा करता है। इस रात चंद्रमा को अर्घ्य देने का शुभ समय रात 08.30 बजे से लेकर प्रात:काल तक माना गया है।

विशेष रूप से रात 11.30 बजे से 12.30 बजे का समय चंद्र पूजन और दर्शन के लिए सर्वश्रेष्ठ है। इस दिन घर-घर में खीर बनाकर खुली चांदनी में रखी जाती है। अगले दिन इस खीर का प्रसाद ग्रहण करने से स्वास्थ्य और समृद्धि की मान्यता है।

मां लक्ष्मी का आगमन और जागरण

धार्मिक मान्यता है कि शरद पूर्णिमा की रात मां लक्ष्मी स्वयं धरती पर आती हैं और जागरण करने वाले भक्तों को धन, वैभव और सुख-समृद्धि का आशीर्वाद देती हैं। इसलिए इस रात कई जगह भजन-कीर्तन, जागरण और धार्मिक आयोजन होते हैं। भक्त रात्रि भर जागकर भक्ति में लीन रहते हैं।

औषधीय लाभ और स्वास्थ्य मान्यता

आयुर्वेदाचार्यों के अनुसार, शरद पूर्णिमा की रात चांदनी में रखी गई खीर में चंद्र किरणों से औषधीय गुण समाहित हो जाते हैं। इसे ग्रहण करने से रोग नाश और स्वास्थ्य लाभ की मान्यता है।

भक्ति और प्रेम का प्रतीक

पौराणिक कथा के अनुसार भगवान कृष्ण ने इसी दिन ब्रज में गोपियों के साथ महारास रचा था। इसलिए यह पर्व भक्ति, प्रेम और संगीत का भी प्रतीक माना जाता है। उत्तर भारत में विशेष रूप से खीर खाने और लक्ष्मी पूजन की परंपरा इस दिन देखी जाती है। शहरों और गांवों में श्रद्धालु उत्साह और उल्लास के साथ तैयारियों में जुट गए हैं। इस शरद पूर्णिमा पर आप भी अपने घर में खीर बनाएं, चांदनी में रखें और माता लक्ष्मी का स्वागत करें।

शरद पूर्णिमा

धरती पर अमृत की वर्षा करता है 16 कलाओं से युक्त चंद्रमा

पौराणिक मान्यताएं एवं शरद ऋतु, पूर्णाकार चंद्रमा, संसार भर में उत्सव का माहौल। इन सबके संयुक्त रूप का यदि कोई नाम या पर्व है तो वह है शरद पूनम। वह दिन जब इंतजार होता है रात्रि के उस पहर का जिसमें 16 कलाओं से युक्त चंद्रमा अमृत की वर्षा धरती पर करता है। वर्षा ऋतु की जरावस्था और शरद ऋतु के बाल रूप का यह सुंदर संजोग हर किसी का मन मोह लेता है। प्राचीन काल से शरद पूर्णिमा को बेहद महत्वपूर्ण पर्व माना जाता है। शरद पूर्णिमा से हेमंत ऋतु की शुरुआत होती है।

आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को शरद पूर्णिमा कहते हैं। इसे रास पूर्णिमा भी कहते हैं। ज्योतिष की मान्यता है कि संपूर्ण वर्ष में केवल इसी दिन चंद्रमा षोडश कलाओं का होता है। धर्मशास्त्रों में इस दिन कोजागर व्रत माना गया है। इसी को कौमुदी व्रत भी कहते हैं। रासोत्सव का यह दिन वास्तव में भगवान कृष्ण ने जगत की भलाई के लिए निर्धारित किया है, क्योंकि कहा जाता है इस रात्रि को चंद्रमा की किरणों से सुधा झरती है। इस दिन श्री कृष्ण को कार्तिक स्नान करते समय स्वयं (कृष्ण) को पति रूप में प्राप्त करने की कामना से देवी पूजन करने वाली कुमारियों को चीर हरण के अवसर पर दिए वरदान की याद आई थी और उन्होंने मुरलीवादन करके यमुना के तट पर गोपियों के संग रास रचाया था। इस दिन मंदिरों में विशेष सेवा-पूजन किया जाता है। इस दिन प्रात:काल स्नान करके आराध्य देव को सुंदर वस्त्राभूषणों से सुशोभित करके आवाहन, आसान, आचमन, वस्त्र, गंध, अक्षत, पुष्प, धूप, दीप, नैवेद्य, ताम्बूल, सुपारी, दक्षिणा आदि से उनका पूजन करना चाहिए। रात्रि के समय गौदुग्ध (गाय के दूध) से बनी खीर में घी तथा चीनी मिलाकर अर्द्धरात्रि के समय भगवान को अर्पण (भोग लगाना) करना चाहिए। पूर्ण चंद्रमा के आकाश के मध्य स्थित होने पर उनका पूजन करें तथा खीर का नैवेद्य अर्पण करके, रात को खीर से भरा बर्तन खुली चांदनी में रखकर दूसरे दिन उसका भोजन करें तथा सबको उसका प्रसाद दें।

पूर्णिमा का व्रत करके कथा सुनानी चाहिए। कथा सुनने से पहले एक लोटे में जल तथा गिलास में गेहूं, पत्ते के दोनों में रोली तथा चावल रखकर कलश की वंदना करके दक्षिणा चढ़ाए। फिर तिलक करने के बाद गेहूं के 13 दाने हाथ में लेकर कथा सुनें। फिर गेहूं के गिलास पर हाथ फेरकर मिश्राणी के पांव स्पर्श करके गेहूं का गिलास उन्हें दे दें। लोटे के जल का रात को चंद्रमा को अर्ध्य दें। शरद पूर्णिमा से ही स्नान और व्रत प्रारम्भ हो जाता है। माताएं अपनी संतान की मंगल कामना से देवी-देवताओं का पूजन करती हैं। इस दिन चंद्रमा पृथ्वी के अत्यंत समीप आ जाता है। कार्तिक का व्रत भी शरद पूर्णिमा से ही प्रारम्भ होता है। विवाह होने के बाद पूर्णिमा (पूर्णमासी) के व्रत का नियम शरद पूर्णिमा से लेना चाहिए। शरद ऋतु में मौसम एकदम साफ रहता है। इस दिन आकाश में न तो बादल होते हैं। और न ही धूल-गुबार। इस रात्रि में भ्रमण और चंद्रकिरणों का शरीर पर पड़ना बहुत ही शुभ माना जाता है। प्रति पूर्णिमा को व्रत करने वाले इस दिन भी चंद्रमा का पूजन करके भोजन करते हैं। इस दिन शिव-पार्वती और कार्तिकेय की भी पूजा की जाती है। यही पूर्णिमा कार्तिक स्नान के साथ, राधा-दामोदर पूजन व्रत धारण करने का भी दिन है।

शरद पूर्णिमा पर करें शिव की आराधना

शरद ऋतु में पड़ने वाली पूर्णमासी को कोजागिरी पूर्णिमा या शरद पूर्णिमा कहते हैं। पुराणों में मान्यता है कि इस दिन केसरयुक्त दूध या खीर चांदनी रोशनी में रखने से उसमें अमृत गिर जाता है। प्राचीन काल से शरद पूर्णिमा को बेहद महत्वपूर्ण पर्व माना जाता है। शरद पूर्णिमा से हेमंत ऋतु की शुरुआत होती है। शरद पूर्णिमा पर चांद अपनी पूर्ण कलाएं लिए होता है। ज्योतिषाचार्य पं. हिंगे के अनुसार इस दिन चंद्र भगवान तथा शंकर भोलेनाथ की पूजा व मंत्र जाप सायंकाल के समय करके केसरयुक्त दूध या खीर का भोग रात को लगाते हैं। भोलेनाथ के मंत्र में वह शक्ति है जिसके प्रभाव से देवता खिंचे चले आते हैं। मंत्र की शक्ति से ही सामान्य वनस्पति में भी औषधिय गुण आ जाते हैं। तथा वह मनुष्य की दैहिक, दैविक और भौतिक तीनों बाधाओं को दूर कर सुख-शांति का जीवन प्रदान करती है। शरद पूर्णिमा के दिन चंद्रमा अपने पूर्ण कलाएं लिए होता है। ऐसी मान्यता है कि चंद्रमा की सारी कलाएं रात्रि के समय इस धरती पर बिखरती हैं, इसलिए रात्रि के समय दूध या खीर चंद्रमा को भोग के रूप में खिलाते हैं, जिससे चंद्रमा की अमृतमय किरणें इस खीर पर पड़ती हैं।

शरद पूर्णिमा पर भद्रा का साया? रात में कैसे रखेंगे खीर

शरद पूर्णिमा का पावन पर्व हर साल आश्विन शुक्ल पूर्णिमा तिथि को मनाते हैं. शरद पूर्णिमा को सुबह में व्रत और पूजा करते हैं, वहीं रात के समय में चंद्रमा को अर्घ्य देते हैं और खीर बनाकर चांद की रोशनी में रखते हैं. इस बार शरद पूर्णिमा के दिन भद्रा का साया है. भद्रा के समय में कोई भी शुभ कार्य करना वर्जित है. इस भद्रा का वास धरती पर है, इसलिए इसका प्रभाव भी अधिक होगा. भद्रा के समय में शुभ कार्य करने से उसमें बाधाएं आती हैं, उसका फल शुभदायक नहीं माना जाता है. ऐसे में शरद पूर्णिमा की रात खीर कैसे रखेंगे? महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय उज्जैन के ज्योतिषाचार्य डॉ मृत्युञ्जय तिवारी बता रहे हैं शरद पूर्णिमा की रात खीर रखने का उपाय.

शरद पूर्णिमा कब है?

इस साल शरद पूर्णिमा 6 अक्टूबर दिन सोमवार को है. पंचांग के अनुसार, इस बार आश्विन शुक्ल पूर्णिमा तिथि 6 अक्टूबर को दोपहर 12.23 बजे से लेकर 7 अक्टूबर मंगलवार को सुबह 9.16 बजे तक है. आश्विन पूर्णिमा की रात 6 अक्टूबर को है, इसलिए उस दिन ही शरद पूर्णिमा मनाई जाएगी.

शरद पूर्णिमा पर भद्रा का साया

शरद पूर्णिमा के दिन भद्रा का साया है. उस दिन भद्रा का प्रारंभ दोपहर में 12 बजकर 23 मिनट से हो रहा है. यह भद्रा रात में 10 बजकर 53 मिनट तक रहेगी. यदि शरद पूर्णिमा के दिन आपको कोई शुभ कार्य करना है तो भद्रा के प्रारंभ होने से पहले कर लें, लेकिन इसमें भी राहुकाल का ध्यान रखना होगा. शरद पूर्णिमा के दिन राहुकाल सुबह में 07 बजकर 45 मिनट से सुबह 09 बजकर 13 मिनट तक है. राहुकाल को भी अशुभ फलदायी माना जाता है. हालांकि इस समय में कालसर्प दोष के उपाय करते हैं. इस दिन वृद्धि योग दोपहर में 01 बजकर 14 मिनट तक है. इस योग में आप जो भी शुभ कार्य करेंगे, उसके फल में बढ़ोत्तरी होगी.

भद्रा की वजह से कैसे रखें शरद पूर्णिमा की खीर?

भद्रा में शुभ कार्य करने वर्जित हैं क्योंकि वह अशुभ फल देते हैं. शरद पूर्णिमा की रात भद्रा के समय में आप खीर न रखें. भद्रा का समापन रात में 10.53 बजे हो जा रहा है. ऐसे में आप भद्रा के खत्म होने के बाद शरद पूर्णिमा की खीर को बाहर रख दें. लेकिन उस खीर को खाने के लिए आपको रात में काफी देर तक जागना होगा. हालांकि इसमें आप ये कर सकते हैं कि शरद पूर्णिमा की चांदनी में पूरी रात खीर को सुरक्षित रख दें और सुबह में उसका सेवन करें. उस खीर को ऐसे रखना है कि उसमें चंद्रमा की किरणें पड़ती रहें. साथ ही इसका भी ध्यान रखें कि उसमें कोई कीड़ा, कीट आदि न पड़ें और बिल्ली से भी वह सुरक्षित हो.

शरद पूर्णिमा की खीर का महत्व

शरद पूर्णिमा की खीर को सेहत के लिए लाभदायक मानते हैं. इसको खाने से स्वास्थ्य लाभ होता है. ऐसी मान्यता है कि शरद पूर्णिमा की रात चंद्रमा की किरणों से अमृत वर्षा होती है. जब वह किरणें खीर में पड़ती हैं तो खीर औषधीय गुणों वाला हो जाता है.

शरद पूर्णिमा क्यों मानी गई है सर्वश्रेष्ठ

साल की 12 पूर्णिमा में से शरद पूर्णिमा सबसे महत्वपूर्ण मानी जाती है. ये पूर्णिमा तन, मन और धन तीनों के लिए सर्वश्रेष्ठ होती है. शरद पूर्णिमा पर लक्ष्मी जी की उपासना कर कोजागर पूजा की जाती है, ये पूजा सर्वसमृद्धिदायक मानी गई है. पूर्णिमा पर सत्यनारायण की कथा करने से घर में सुख-शांति स्थापित होती है और सबसे खास शरद पूर्णिमा का चांद 16 कलाओं से परिपूर्ण होता है जो अपनी किरणों के जरिए अमृत की बरसात करता है.

आरोग्य, धन, सुख प्राप्ति के लिए शरद पूर्णिमा सबसे खास है. शरद पूर्णिमा की रात मां लक्ष्मी का धरती पर आगमन होने से भक्तों के धन-धान्य से भरपूर रहने का आशीर्वाद मिलता है. वहीं इस दिन चंद्रमा की किरणों से अमृत की वर्षा होती है, जो स्वास्थ के लिए औषधीय का काम करती है. यही वजह है कि शरद पूर्णिमा की रात चांद की रोशनी में खीर रखी जाती है और फिर इसका सेवन किया जाता है. कहेत हैं ये खीर अमृत के समान हो जाती है. मानसिक शांति के लिए भी इस दिन चंद्रमा की पूजा अचूक मानी गई हैं. इसी दिन श्रीकृष्ण ने गोपियों संग महारास रचाया था, जिसे देखने के लिए मनुष्य क्या देवी-देवता भी विवश हो गए थे.

शरद पूर्णिमा उपाय

शरद पूर्णिमा पर मां लक्ष्मी समुद्र मंथन से उत्पन्न हुई थी. कहते हैं देवी लक्ष्मी इस दिन रात्रि में धरती पर विचरण करने आती है, मान्यता है कि शरद पूर्णिमा पर निशिता काल मुहूर्त में देवी को खीर का भोग लगाने से आर्थिक सुख में वृद्धि होती है. शरद पूर्णिमा पर मां लक्ष्मी को 5 पान के पत्ते उनके चरणों में अर्पित करें. अगले दिन इन पान के पत्तों को आप सुखाकर एक लाल कपड़े में बांधकर तिजोरी में रख दें. कहते हैं इससे तिजोरी कभी खाली नहीं होगी. धन आगमन बढ़ता जाएगा.

शरद पूर्णिमा पूजन विधि

शरद पूर्णिमा के दिन सूर्योदय से पूर्व उठकर स्नान करने के बाद व्रत का संकल्प लेना चाहिए. समस्त देवी-देवताओं का आवाह्न करें और वस्त्र, अक्षत, आसन, पुष्प, धूप, दीप, नैवेद्य, सुपारी व दक्षिणा आदि अर्पित करने के बाद पूजा करनी चाहिए. संध्याकाल में दूध की खीर में घी मिलाकर अर्धरात्रि के समय भगवान को भोग लगाना चाहिए. रात्रि के समय चंद्रमा के उदय होने के बाद चंद्र देव की पूजा करें और खीर का नेवैद्य अर्पित करें. रात में खीर से भरे बर्तन को चन्द्रमा की अमृत समान चांदनी में रखना चाहिए और अगले दिन सुबह प्रसाद रूप में सबको बांटना चाहिए. इस दिन भगवान शिव-माता पार्वती और भगवान कार्तिकेय की पूजा करनी चाहिए.

शरद पूर्णिमा पर क्या सावधानियां बरतें

इस दिन पूर्ण रूप से जल और फल ग्रहण करके उपवास रखने का प्रयास करें. उपवास रखें या न रखें लेकिन इस दिन सात्विक आहार ही ग्रहण करें तो ज्यादा बेहतर होगा. शरीर के शुद्ध और खाली रहने से आप ज्यादा बेहतर तरीके से अमृत की प्राप्ति कर पाएंगे. इस दिन काले रंग का प्रयोग न करें. चमकदार सफेद रंग के वस्त्र धारण करें तो ज्यादा अच्छा होगा.

शरद पूर्णिमा का महत्व

शरद पूर्णिमा के दिन व्रत करना फलदायी सिद्ध होता है. ऐसी मान्यता है कि भगवान श्रीकृष्ण चंद्रमा की सभी सोलह कलाओं से युक्त थे. माना जाता है कि इस पूर्णिमा के दिन चन्द्रमा से निकलने वाली किरणें चामत्कारिक गुणों से परिपूर्ण होती है. नवविवाहिता महिलाओं द्वारा किये जाने वाले पूर्णिमा व्रत की शुरुआत शरद पूर्णिमा के त्यौहार से होती है तो यह शुभ माना जाता है. इस दिन धन की देवी माता लक्ष्मी की पूजा भी की जाती हैं. मान्यताओं अनुसार, शरद पूर्णिमा का व्रत रखने के बाद पूर्ण रात्रि देवी लक्ष्मी की पूजा करने से व्यक्ति के जीवन से धन समस्याओं का अंत होता है और धन तथा वैभव की प्राप्ति होती है.

संक्षिप्त समाचार

साजा । क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम बेलतरा मां दुर्गा जी का विसर्जन सेवा समिति के साथ किया गया। इसमें समस्त ग्राम वासी उपस्थित हुए।

मेटल माइंस वर्कर्स यूनियन (इंटक) ने धूमधाम से मनाई गांधी-शास्त्री जयंती, स्वच्छता कर्मियों का सम्मान

किरंदुल (समय दर्शन)। मेटल माइंस वर्कर्स यूनियन (इंटक) शाखा किरंदुल ने 2 अक्टूबर को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती भव्य रूप से मनाई। यूनियन अध्यक्ष विनोद कश्यप और सचिव ए.के. सिंह के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में सद्भावना पदयात्रा, सर्वधर्म प्रार्थना सभा और स्वच्छता कर्मियों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत गांधीनगर से सद्भावना पदयात्रा के साथ हुई, जो मुख्य मार्गों से होते हुए श्रमिक सदन इंटक भवन में समाप्त हुई। इसमें यूनियन पदाधिकारियों, सदस्यों, नगरवासियों और पांच स्कूलों के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मुख्य अतिथि अधिशासी निदेशक रविन्द्र नारायण ने ध्वजारोहण, माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन कर गांधी-शास्त्री को श्रद्धांजलि अर्पित की। सर्वधर्म प्रार्थना सभा में हिंदू, मुस्लिम और ईसाई धर्मगुरुओं ने एकता और भाईचारे का संदेश दिया। स्कूली बच्चों ने सरस्वती वंदना और नृत्य प्रस्तुति दी। मुख्य अतिथि ने गांधी-शास्त्री के आदर्शों को अपनाने और स्वच्छ भारत के सपने को साकार करने का आह्वान किया। विशिष्ट अतिथि तनवीर जावेद ने भी उनके योगदान को याद किया। NMDC ठेका स्वच्छता कर्मियों और समाजसेवियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में कई गणमान्य व्यक्ति, अधिकारी और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। इसके बाद नवनिर्मित यूनियन कार्यालय का उद्घाटन रविन्द्र नारायण ने किया और यूनियन को नई ऊर्जा के साथ कार्य करने की शुभकामनाएं दीं। सचिव ए.के. सिंह ने प्रबंधन और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। संचालन बी.एल. तारम और रितु साहू और धन्यवाद ज्ञापन राकेश लाल ने किया।

होंडा मोटरसाइकिल और स्कूटर इंडिया ने सितंबर 2025 में 5.68 लाख यूनिट्स की बिक्री के साथ मार्केट में अपनी पकड़ मजबूत की

नईदिल्ली। होंडा मोटरसाइकिल और स्कूटर इंडिया (HMSI) ने सितंबर 2025 में कुल 5,68,164 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की। इसमें घरेलू बाजार में 5,05,693 यूनिट्स और एक्सपोर्ट में 62,471 यूनिट्स शामिल हैं। अगस्त 2025 की तुलना में कंपनी की कुल बिक्री में 6न्न की महीने-दर-महीने (MoM) ग्रोथ भी देखने को मिली वित्त वर्ष 2025-26 के अप्रैल से सितंबर तक की YTD अवधि में, होंडा मोटरसाइकिल और स्कूटर इंडिया (HMSI) ने कुल 29,91,024 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की। इसमें 26,79,507 यूनिट्स घरेलू बाजार में और 3,11,517 यूनिट्स एक्सपोर्ट किए गए एचएमएसआई की सितंबर 2025 की प्रमुख उपलब्धियाँ: रोड सेफ्टी: होंडा मोटरसाइकिल और स्कूटर इंडिया (HMSI) ने रोड सेफ्टी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को जारी रखते हुए देशभर के 13 शहरों—अहमदाबाद, चित्तौड़गढ़, रीवा, बालासोर, सीतामढ़ी, आगरा, मुंबई, तिरुपति, त्रिवेंद्रम, बारामती, विजयपुरा, रोहतक और अंबाला—में जागरूकता अभियान आयोजित किए। इन अभियानों का उद्देश्य इंटरएक्टिव लर्निंग के ज़रिए ज़िम्मेदार रोड बिहेवियर की संस्कृति को मजबूत करना था। एचएमएसआई ने सुरक्षित राइडिंग की जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विशाखापट्टनम में अपने सेफ्टी ड्राइविंग एजुकेशन सेंटर (SDEC) की 5वीं वर्षगांठ और कोझिकोड व विजयवाड़ा में 6वीं वर्षगांठ मनाई कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी: होंडा की 2050 तक दुर्घटना-रहित समाज की वैश्विक सोच को आगे बढ़ाते हुए, होंडा इंडिया फाउंडेशन ने गुजरात पुलिस को 'सड़क सहायक: सुरक्षित मार्ग, सुरक्षित जीवन' योजना के अंतर्गत 50 विशेष रूप से तैयार क्विक रिस्पॉन्स टीम (QRT) वाहन सौंपे। इस पहल का उद्देश्य राज्यभर में सड़कों को अधिक सुरक्षित बनाना और जन सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करना है।

झालाटोला में शराब, जुआ-सट्टा और ताश पर प्रतिबंध

छुरिया (समय दर्शन)। ब्लॉक मुख्यालय से लगभग 10 किलोमीटर दूर ग्राम झालाटोला, पोस्ट-भोलापुर में ग्रामीण सर्व समाज की एक अत्यंत महत्वपूर्ण सार्वजनिक बैठक आहूत की गई थी। बैठक में नशा मुक्ति अभियान को लेकर सभी समाज के उपस्थित प्रबुद्धजनों ने विशेष तौर पर चर्चा कर इस बात पर जोर दिया कि ग्राम में किसी भी सूरत में शराब सेवन, ताश, जुआ-सट्टा आदि किसी भी सूरत में अवैध गतिविधियां बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

ग्राम प्रमुख गैंदलाल साहू, उपसरपंच संतोष धनगावी एवं ग्राम पटेल खिलावन साहू संयुक्त रूप से बताया कि शराब सेवन एवं सट्टाबाजी के प्रभाव से गांव के बच्चे, बुजुर्ग, युवा सहित सभी पर इसका बुरा प्रभाव पड़ रहा है।

गांव के युवा और नौजवान अपने कमाई का आधा हिस्सा शराब सेवन और सट्टा जुआ जैसे गलत व असामाजिक गतिविधियों में लगा रहे हैं। जिससे परिवार टूट व बिखर रहा है। गांव की महिलाओं पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है। शराब सेवन के कारण परिवार में पति-पत्नी एवं बच्चों के बीच आए दिन बाद विवाद होते रहता है। विवाद के कारण परिवार टूट जाता है।

इन्हीं सभी मामलों को लेकर आज सर्व समाज के

सदस्यों एवं ग्रामीणों के बीच सार्वजनिक बैठक संपन्न हुई। बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि गांव में कोई भी व्यक्ति नशीली पदार्थ जैसे शराबए गांजा आदि का विक्रय नहीं करेगा। विक्रय किए जाने पर उसे एक निश्चित राशि दंड के स्वरूप में देना पड़ेगा। शराब सेवन कर कोई भी व्यक्ति गांव में वाद-विवाद या झगड़ा लड़ाई नहीं करेगा।

ऐसा किए जाने पर वह दंड का भागी होगा। कोई व्यक्ति यदि शराब बेचते पाया गया तो उसे दंड के रूप में 25000 रूपये, लिया जाएगा। इसी प्रकार शराब खरीदते पाए जाने पर चाहे वह गांव का हो या बाहर के व्यक्ति हो उसे 15000 रूपये आर्थिक दंड लिया जाएगा। कोई भी व्यक्ति शराब पीकर गाली-गलौच करते पाए जाने पर उसे 15000 रूपये दंड का प्रावधान है। तास जुआ खेलने पर जुआरी को 5000 रुपए दंड लिया जाएगा, जो कोई भी व्यक्ति ऐसे आरोपियों की सूचना देगा। उसे अर्थात सूचना देने वाले व्यक्ति को 5000 रुपए का नगद पुरस्कार दिया जाएगा।

ग्रामीणों की उक्त बैठक में ग्राम प्रमुख गैंदलाल साहू, उपसरपंच संतोष धनगावी, ग्राम पटेल खिलावन साहू, विष्णु साहू पंच, राजेंद्र साहू, चंद्रशेखर साहू, झालसिंह, रामचरण, वीरेंद्र साहू, रूपलाल, नोहर, हुलेरा राम, हरिराम, चुम्मन लाल, बृजलाल, अहीर राम, नेतराम, गेंदलाल साहू, संतोष, विष्णुराम, खिलावन साहू, राजेंद्र, पुनाराम, परदेशी, वीरेंद्र, नोहर, जेठूराम साहू, नारायण धनगावी, धन्नू राम साहू, खोरबाहरा, विनोद, राजूराम, प्रीत साहू सहित ग्राम के प्रत्येक परिवार से परिवार मुखिया अथवा एक सदस्य उपस्थित थे।

शक्तिधाम महाकाली मंदिर में निकली भव्य ज्योति कलश विसर्जन यात्रा

राजनांदगांव। शक्तिधाम महाकाली मंदिर परिसर भक्तिभाव से सराबोर रहा, जब 71 ज्योति कलशों के साथ भव्य विसर्जन यात्रा नगर भ्रमण को निकली। माता की जय-जयकार, भक्ति से ओत-प्रोत भजन और पारंपरिक सांग-बाना बैरगों की अद्भुत छटा ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया।

मंदिर समिति के प्रमुख गुरुदेव हरीश यादव ने बताया कि माता की विशेष कृपा से इस वर्ष अष्टमी के अवसर पर संतान प्राप्ति हेतु औषधि प्राप्त करने वाले निरूसंतान दम्पत्तियों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उन्होंने बताया कि इस नवरात्रि में 57 दम्पत्तियों को औषधि वितरण किया गया, जबकि पिछले वर्ष यह संख्या 31 थी।

यही नहीं, उड़ीसा तंत्र से 21 साधकों द्वारा अभिमंत्रित सर्व व्याधि निवारण धूप भी इस बार श्रद्धालुओं में

विशेष आकर्षण का केंद्र बनी। लगभग 174 श्रद्धालुओं में यह धूप वितरित की गई।

विसर्जन यात्रा के दौरान माता के भक्तों की भावभीनी विदाई में श्रद्धा और आस्था की अद्भुत झलक देखने को मिली। जयकारों और अश्रुपूरित आंखों के साथ भक्तों ने माता को विदा किया।

सांग-बाना बैरग इस बार विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। पारंपरिक वेशभूषा, ढोल-नगाड़ों की थाप और भक्ति रस से सराबोर माहौल ने नगरवासियों को अद्भुत आध्यात्मिक अनुभूति से भर दिया।

माता रानी के प्रति श्रद्धा और आस्था के इस भावपूर्ण आयोजन ने यह एक बार फिर सिद्ध कर दिया कि राजनांदगांव में धर्म, संस्कृति और परंपरा की जड़ें कितनी गहरी हैं।

स्थानांतरण नीति 2025 की उड़ रही धज्जियां : पशुपालन विभाग में मनमानी और सांठगांठ का खेल जारी

राजनांदगांव। राज्य शासन द्वारा पारित स्थानांतरण नीति 2025 एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई है। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा स्पष्ट निर्देशों के बावजूद पशुधन विकास विभाग में संलग्नीकरण का खेल खुलेआम जारी है। विभागीय उपसंचालक की मिलीभगत से चहेतों को न केवल मनमानी पोस्टिंग दी जा रही है, बल्कि इसके एवज में प्रतिमाह राशि लिए जाने की चर्चाएं भी जोरों पर हैं।

स्थानांतरण नीति के बिंदु क्रमांक 3.16 में स्पष्ट उल्लेख है कि स्थानांतरण आदेश जारी होने के 15 दिवस के भीतर संबंधित अधिकारी को एकतरफा कार्यमुक्त कर देना है, अन्यथा कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। वहीं, बिंदु क्रमांक 3.17 के अनुसार 5 जून 2025 से समस्त संलग्नीकरण स्वत: समाप्त माने जाएंगे। बावजूद इसके, पशुपालन विभाग में नियमों को दरकिनार कर पुराने ढर्रे पर ही कार्य जारी है।

पशु चिकित्सा अधिकारी संघ राजनांदगांव द्वारा जिला प्रशासन को सौंपे गए आवेदन में आरोप लगाया गया है कि विभाग में भेदभावपूर्ण रवैया अपनाया जा

रहा है। संघ के अनुसार अनुसूचित जाति वर्ग के डॉ. सत्यजीत मेश्राम, डॉ. विकास मेश्राम व डॉ. संदीप इंदुलकर को स्थानांतरण आदेश के तुरंत बाद एकतरफा कार्यमुक्त कर दिया गया। जबकि उसी आदेश में शामिल डॉ. फ्लेश्वर कुमार साहू, डॉ. प्रेम कुमार देवांगन और डॉ. सुनील कुमार त्रिपाठी अब तक अपने पुराने पदस्थापना स्थल पर कार्यरत हैं और नियमित वेतन भी उठा रहे हैं। यह सीधे तौर पर शासन की स्थानांतरण नीति का उल्लंघन है।

संघ के जिलाध्यक्ष डॉ. तरुण रामटेके ने बताया कि विभाग में मनमानी संलग्नीकरण के कारण फील्ड स्तर पर कार्यरत पशु चिकित्सकों पर अतिरिक्त कार्यभार पड़ रहा है, जबकि जिला कार्यालय में पर्याप्त चिकित्सक मौजूद हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि दो दिवस के भीतर सभी नियम विरुद्ध संलग्नीकरण समाप्त नहीं किए गए और संबंधित अधिकारियों को रिलीव नहीं किया गया, तो संघ एवं अजाक्स द्वारा विभागीय कार्यालय का घेराव किया जाएगा। यह पूरी स्थिति दर्शाती है कि कुछ अधिकारी स्थानांतरण नीति की आड़ में अपने चहेतों को लाभ पहुंचाने में लगे हैं। हैरानी की बात यह है कि शासन के उच्चाधिकारी या तो इस पूरे मामले से अनजान हैं या जानबूझकर आंखें मूंदे हुए हैं। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि शासन इस खुलेआम हो रहे नियम उल्लंघन पर क्या सख्त कदम उठाता है।

श्रीराम के जयघोष से गूंजा राजनांदगांव, विश्व हिंदू परिषद-बजरंग दल ने किया शस्त्र पूजन

राजनांदगांव। विजयादशमी के अवसर पर विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल की दक्षिणमुखी श्री हनुमान मंदिर महावीर चौक में शस्त्र पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भारत माता की जय और जय श्रीराम के नारों से पूरा वातावरण देशभक्ति और आस्था से भर गया।

शस्त्र पूजन के दौरान ओंकार और विजय महामंत्र श्रीराम जय जय राम जय जय राम का सामूहिक रूप से जाप किया गया। कार्यकर्ताओं ने परंपरागत तरीके से शस्त्रों पर तिलक कर पुष्प अर्पित किए और सनातन संस्कृति के संरक्षण का संकल्प लिया।

मुख्य वक्ता विश्व हिंदू परिषद के प्रांत सह मंत्री नंदूराम साहू ने कहा, श्रीराम ने एक तपस्वी होते हुए भी शस्त्र नहीं त्यागे, बल्कि अधर्म के विनाश के लिए उनका उपयोग किया। आज हर सनातनी को सज्जन शक्ति बनकर राष्ट्र विरोधी और हिंदू विरोधी शक्तियों का मुकाबला करना होगा।

उन्होंने कहा कि आज के समय में लव जिहाद, धर्मांतरण, भूमि जिहाद और जनसंख्या असंतुलन जैसे मुद्दों को समझकर समाज में जागरूकता फैलाने की जरूरत है। शहर कार्यकर्ता को समाज के बीच जाकर इन विषयों पर संगठित और सक्रिय भूमिका निभानी होगी, उन्होंने कहा।

इस अवसर पर विभाग मंत्री अनुप श्रीवास, विभाग सह मंत्री सुनील सेन, जिला मंत्री त्रिगुण सादानी, प्रांत सह संयोजक प्रशांत दुबे, जिला संयोजक राहुल बलदेव मिश्रा, नगर अध्यक्ष शिव वर्मा, नगर उपाध्यक्ष योगेश मुदलियार, नगर मंत्री अंकित खंडेलवाल सहित कई पदाधिकारी उपस्थित रहे।

इसके अलावा अखिलेश गुप्ता, रवि राजपूत, पिंटू समरित, प्रिंस प्रशांत हाथीबेड़, अंशुल कसार, अभिषेक शर्मा, विकास जांगिड़, मोहित यादव, सारंग ताम्रकार, रामावतार जोशी, उत्कर्ष शर्मा और दर्शन चोटिया समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे।

कार्यक्रम के अंत में देश और धर्म की रक्षा के लिए एकजुट रहने का संकल्प लिया गया।

मीशो मेगा ब्लॉकबस्टर सेल 2025 में 206 करोड़ से अधिक ग्राहकों ने हिस्सा लिया

रायपुर: मीशो की वार्षिक मेगा ब्लॉकबस्टर सेल 2025 संपन्न हो चुकी है। इस सेल में ग्राहकों, विक्रेताओं और ब्रांड्स की रिकॉर्ड प्रतिबद्धता दर्ज हुई। इस साल की सेल में देखने को मिला कि टेक्नोलॉजी, किफायत और विश्वास किस प्रकार पूरे भारत में फेस्टिव कॉमर्स को आकार दे रहे हैं। दिल्ली से लेकर विशाखापट्नम तक के व्यवसायों ने दीवाली से पहले लाखों नए उत्पाद लॉन्च किए। सेल के दौरान मीशो के प्लेटफॉर्म पर 206 करोड़ ग्राहक आए। शॉपर्स ने 117 मिलियन से अधिक घंटे मीशो प्लेटफॉर्म पर बिताए। प्रिपेड लेनदेन भी 57 प्रतिशत बढ़े। इससे प्रदर्शित होता है कि भारतीय शॉपर्स के बीच डिजिटल भुगतान लोकप्रिय हो रहा है। त्योहारों पर होने वाली खरीदारी में कुर्ती, ज्वेलरी, लिपस्टिक, पूजा डेकोर और बच्चों के एथनिक वियर सबसे अधिक लोकप्रिय रहे। सेल के दौरान विक्रेताओं ने 4.6 करोड़ नए उत्पाद लॉन्च किए। प्लेटफॉर्म से 49,000 नए विक्रेता जुड़े। साल-दर-साल विक्रेताओं की प्रतिभागिता में 57 प्रतिशत की वृद्धि हुई। यह वृद्धि दिल्ली, मुंबई और बैंगलुरू जैसे महानगरों और वारंगल, छपरा और कुडप्पा जैसे शहरों में दर्ज हुई। सेल के दौरान मीशो ऐप को 2 करोड़ बार डाउनलोड किया गया, जिससे भारत में मीशो की पहुँच बढ़ी। लगभग 45 प्रतिशत ग्राहक टियर 4 शहरों से आए, जिससे प्रदर्शित होता है कि ई-कॉमर्स भारत के कोने-कोने में पहुँच रहा है। अब मीशो की महा दीवाली सेल 4 अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक चलेगी। जहाँ लोग दीवाली की तैयारी में लगे हैं, वहीं यह आगामी सेल उन्हें अलग-अलग बजट में उत्पादों का विस्तृत संग्रह उपलब्ध कराएगी।

चिरायु योजना: कक्षा 06वीं की छात्रा रोशनी को मिला नया जीवन

हृदयाघात संबंधी समस्या पर हुआ नि:शुल्क आपरेशन

मुंगेली(समय दर्शन) राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत शासन की महत्वाकांक्षी चिरायु योजना का जिले में कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार सफल क्रियान्वयन किया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ शीला शाहा एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के जिला कार्यक्रम प्रबंधक गिरीश कुर्रे के मार्गदर्शन में योजना के तहत चिरायु टीम द्वारा जिले में स्कूलों और आंगनबाड़ियों में बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया जा रहा है। इसी कड़ी में चिरायु दल बी द्वारा कस्तुरबा गांधी कन्या आवासीय छात्रावास लोरमी में कक्षा 06 में अध्ययनरत रोशनी का स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान हृदयाघात समस्या का होना पाया गया, जिसकी जानकारी हॉस्टल अधीक्षिका को दी गई। उसके पश्चात अगले दिन रोशनी के पिता शिवप्रसाद को छात्रावास अधीक्षिका के

माध्यम से संपर्क कर ईलाज में होने वाली प्रक्रिया के बारे में समझाया गया। उनकी सहमति के पश्चात जांच हेतु सत्य

साईं हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां इन्हें ऑपरेशन की सलाह दी गई।

ऑपरेशन के लिए चिन्हांकित दिवस

में रोशनी को भर्ती किया गया और लगभग 01 सप्ताह से अधिक समय से चले उपचार के पश्चात रोशनी स्वस्थ होकर अपने घर वापस आ गई, इससे उसे नया जीवन मिल गया है। रोशनी के माता-पिता ने शासन-प्रशासन, स्वास्थ विभाग और चिरायु दल का आभार व्यक्त किया। चिरायु के नोडल अधिकारी डॉ. कमलेश खैरवार ने बताया कि रोशनी सुदूर वनांचल बैगा क्षेत्र की निवासी हैं, जिनसे संपर्क और सामंजस्य स्थापित करने में लोरमी चिरायु दल बी को कई बार प्रयास करना पड़ा और अंतत: सफलता मिली। इस कार्य में, विकासखंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. जी एस दाऊ, विकासखण्ड कार्यक्रम प्रबंधक शैलेन्द्र पांडेय, डॉ. अखिलेश बंजारे एवं चिरायु टीम के डॉ आदित्य पाण्डेय (आयुष चिकित्सा अधिकारी), डॉ ज्योत्सना बिंझवार (आयुष चिकित्सा अधिकारी), सरला जायसवाल (फार्मासिस्ट), चंद्रकांती कश्यप (ए.एन.एम.) का सहयोग रहा।

खबर-खास

ग्राम कोसमी की घटना : विद्युत तार में चिपकने से महिला की मौत

गरियाबंद (समय दर्शन)। शनिवार को विद्युत तार में चिपकने से एक महिला की मौत हो गई।घटना के विषय में मिली जानकारी के अनुसार जिला मुख्यालय से 15 किलोमिटर दूर ग्राम कोसमी में शनिवार दोपहर 12 बजे हरदी खार के खेत में जसवंतीन बाई ठाकुर खेती कार्य से गई थी,लेकिन शाम 5 बजे तक घर नहीं लौटी जिससे परेशान परिजन ग्रामीणों के साथ उसे ढूंढने गए तब देखे कि उक्त महिला खेत में मृत अवस्था में पड़ी थी वही नजदीक श्री फेस विद्युत तार जो आंधी तूफान से टूट कर खेत में गिर गया था,उसके चपेट में महिला आ गई थी।इस घटना की जानकारी मृतक के परिजनों और ग्रामीणों के द्वारा शनिवार रात लगभग आठ बजे सिटी कोतवाली में दिया गया।घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मर्ग पंचनामा बनाते हुए रविवार को मृतक का पोस्टमार्टम कराते हुए घटना की जांच कर रही है।

छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति ने हैदराबाद में बिखेरी छटा,गरियाबंद के प्रेम यादव की टीम ने लोक कला यात्रा 2025 में मचाई धूम

गरियाबंद (समय दर्शन)।दक्षिण मध्य सांस्कृतिक केंद्र नागपुर जोन द्वारा आयोजित लोक कला यात्रा 2025 में छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति ने अपनी अद्भुत छाप छोड़ी।हैदराबाद के माधोपुर शिल्पाराम्म में 30 सितंबर से 2 अक्टूबर तक हुए तीन दिवसीय राष्ट्रीय आयोजन में देश के विभिन्न राज्यों – पंजाब, जम्मू-कश्मीर, महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश – के सांस्कृतिक दलों ने भाग लिया।इस भव्य आयोजन में गरियाबंद जिले के प्रेम यादव के नेतृत्व में लोक संस्कृति पारंपरिक लोक नृत्य संस्था की प्रस्तुति विशेष आकर्षण का केंद्र रही। 15 सदस्यीय दल ने छत्तीसगढ़ की पारंपरिक लोक संस्कृति और नृत्य की झलक मंच पर जीवंत कर दी। कलाकारों की पारंपरिक वेशभूषा,मनमोहक नृत्य मुद्राएँ और सुगन पारंपरिक वाद्य यंत्रों की थाप ने दर्शकों का दिल जीत लिया। दर्शकों ने उत्साहपूर्वक छत्तीसगढ़ी लोकनृत्य की सराहना की। प्रेम यादव की यह टीम पूर्व में भी कई राष्ट्रीय मंचों पर छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ा चुकी है। इस दल ने दिल्ली के लालकिला में 15 अगस्त को देश के यशस्वी प्रधानमंत्री के समक्ष प्रस्तुति दी थी। इसके अलावा उत्तराखंड,जयपुर,हैदराबाद,उज्जैन, इलाहाबाद,प्रदेश के विधानसभा भवन और मुख्यमंत्री निवास जैसे अनेक महत्वपूर्ण स्थलों पर भी शानदार प्रस्तुतियाँ दी हैं। दल प्रमुख प्रेम यादव के नेतृत्व में टीम के सदस्य – छगन यादव,प्रहलाद यादव,उत्तम यादव,मुकेश यादव,झंकार यादव,टंकेश्वर यादव,चम्मन यादव, जोहत राम,राधेश्याम यादव,सावित्री यादव,चेतना यादव, किरण, सरोज, गूंजा, खुशलता, राजदुलारी और अजय यादव ने अपनी-अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।लोक कला यात्रा 2025 में गरियाबंद की इस प्रस्तुति ने न केवल छत्तीसगढ़ी संस्कृति को राष्ट्रीय मंच पर नई पहचान दिलाई बल्कि यह साबित किया कि प्रदेश की लोक परंपराएँ आज भी देशभर में अपनी सशक्त उपस्थिति बनाए हुए हैं।

कलेक्टर ने राजस्व संबंधी प्रकरणों की ली समीक्षा बैठक, अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

शासकीय विभागों से भूमि आबंटन हेतु प्राप्त आवेदन को प्राथमिकता के साथ निपटाएं- कलेक्टर श्री सिंह

राजस्व कार्यों में पारदर्शिता और समयबद्धता पर जोर

दुर्ग (समय दर्शन)। कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में उन्होंने नामांतरण, खाता विभाजन, सीमांकन, व्यपवर्तन, वृक्ष कटाई, त्रुटि सुधार, अभिलेख शुद्धता, कृषक पंजीयन, नक्शा बटांकन, ई-डिस्ट्रिक्ट लोक सेवा गारंटी प्रकरण, गिरदावरी, धान खरीदी, भू-आबंटन, नजूल पट्टों संबंधित प्रकरण, भू-अर्जन संबंधी प्रकरण, लोक आयोग प्रकरण इत्यादि की प्रगति की समीक्षा की। इसके अलावा बाढ़ आपदा प्रबंधन, सुशासन तिहार में प्राप्त आवेदनों के निराकरण, भौतिक सत्यापन एप्प, जाति प्रमाण पत्र एवं दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषक कल्याण योजना से संबंधित कार्यों के स्थिति की विस्तृत जानकारी ली तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

बैठक में राजस्व संबंधी विभिन्न कार्यों की गहन समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री सिंह ने अविवादित नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, नक्शा बटांकन, डायवर्सन, और राजस्व वसूली की स्थिति की जानकारी ली और इन कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। सीमांकन प्रतिवेदन की तिथि निर्धारित कर कार्य शीघ्र पूर्ण कराने और नक्शा बटांकन कार्यों के लिए टीम बनाकर तत्परता से कार्रवाई करने को कहा। कलेक्टर श्री सिंह ने अभिलेख शुद्धता के संबंध में डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाण पत्र को एक सप्ताह के भीतर अपडेट करने कहा। उन्होंने सभी पात्र कृषकों का पंजीयन प्राथमिकता के साथ सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री अभिजीत ने कहा कि कृषक पंजीयन, कृषि क्षेत्र के डिजिटलीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे पारदर्शिता बढ़ेगी और सरकारी योजनाओं का लाभ किसानों तक सीधे पहुँच सकेगा। धान खरीदी की तैयारी को लेकर भी कलेक्टर ने विस्तृत चर्चा की। उन्होंने कहा कि जिले की 20 नयी समितियों को राजस्व रिकार्ड में अपडेट किया जाए। ग्राम पंचायतों में किसानों को डिजिटल क्रॉप सर्वे और गिरदावरी से संबंधित जानकारी प्रदान करने के निर्देश दिए गए हैं। इस संबंध में कोटवारों के माध्यम से मुनादी कराकर सभी किसानों को सूचित करने निर्देशित किया। उन्होंने कहा प्राप्त आपत्तियों की सूची संबंधित अधिकारी को भेजना सुनिश्चित करें, जिससे समय रहते आवश्यक संशोधन किया जा सके। इसके अतिरिक्त परिवर्तित भू-भाटक वसूली की प्रक्रिया को भी शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए।

कलेक्टर श्री सिंह ने भूमि-आबंटन के प्रकरणों की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने कहा शासकीय विभागों से भूमि आबंटन हेतु प्राप्त आवेदन को प्राथमिकता के साथ निपटाएं। भू-आबंटन प्रकरणों की जानकारी एकत्र कर चिन्हांकित स्थलों का निरीक्षण सुनिश्चित करने को कहा गया। कलेक्टर ने नक्शा बटांकन के कार्यों के सबंध में तहसीलदारों को निर्देशित किया कि मैदानी क्षेत्रों का निरीक्षण कर जमीन की वस्तुस्थिति जांच की जाए एवं नक्शा बटांकन किया जाना भी सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने शासकीय भूमि से कब्जा हटाने के भी निर्देश दिये। इसके अलावा उन्होंने भू-अर्जन के लंबित प्रकरणों एवं मुआवजा भुगतान, भारतमाला परियोजना, राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के प्रकरणों का भी त्वरित निराकरण करने निर्देश दिए, जिससे प्रभावित लोगों को मुआवजा प्रदान करने में किसी भी प्रकार का विलंब न हो। कलेक्टर श्री सिंह ने जाति प्रमाण पत्र के लंबित प्रकरणों को गंभीरता के साथ शीघ्र निराकृत करने के निर्देश दिए। उन्होंने दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषक योजना के तहत पात्र हितग्राहियों की सूची अद्यतन करने, अपात्र लोगों को लाभ न मिले इस पर विशेष ध्यान देने कहा गया।

कलेक्टर ने अनुविभागीय अधिकारी, तहसीलदारों से समन्वय बनाकर भू-अभिलेख संबंधी प्रकरणों को निराकरण किये जाने के निर्देश दिये। विशेषतौर पर अनुविभागीय अधिकारियों को निर्देश देते हुये कहा कि भू-अर्जन संबंधी लंबित प्रकरणों को गंभीरता से निराकरण कर सूचित किया जाये। साथ ही राजस्व प्रकरणों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बरतने पर कार्यवाही किये जाने के निर्देश दिये। बैठक में अपर कलेक्टर श्री अभिषेक अग्रवाल, अपर कलेक्टर श्रीमती योगिता देवांगन, अपर कलेक्टर श्री वीरेन्द्र सिंह, एसडीएम श्री लवकेश ध्रुव, श्री सोनल डेविड, श्री महेश राजपूत, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती सिल्ली थॉमस सहित सभी तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार, एएसएलआर उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नेतृत्व वाली सरकार का जीएसटी नेक्स्ट जेनरेशन 2.0 देश एवं आम जनमानस के हित को लेकर लिया गया ऐतिहासिक निर्णय -सुरेंद्र कौशिक

दुर्ग (समय दर्शन)। गंजपारा सदर गौरव पथ मंडल की जीएसटी नेक्स्ट जेनरेशन 2.0 एवं आत्मनिर्भर भारत की कार्यशाला दुर्ग जिला भाजपा कार्यालय में भाजपा जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक के मुख्य अतिथ्य में संपन्न हुई आयोजित कार्यशाला में उनके साथ जिला उपाध्यक्ष एवं मंडल के कार्यक्रम के निमित्त प्रभारी राजीव पांडेय, अशोक अग्रवाल, मंडल भाजपा अध्यक्ष महेंद्र लोढ़ा, युवा मोर्चा प्रदेश कार्य समिति सदस्य नितेश साहू उपस्थित रहे आयोजित कार्यशाला के पश्चात राष्ट्रीय एवं प्रदेश भाजपा के नेतृत्व के निर्देशानुसार जीएसटी नेक्स्ट जेनरेशन 2.0 को लेकर दुर्ग शहर के व्यापारियों से भेट कर जीएसटी के बदलाव होने से आम जनमानस एवं व्यापारियों के राहत के बारे में चर्चा की गई और आम जनमानस को इसका लाभ बताने का आह्वान व्यापारियों से किया गया इस अवसर पर मुख्य रूप से छत्तीसगढ़ शासन के कैबिनेट मंत्री गजेंद्र यादव, जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक, महापौर अलका बाघमार एवं जिला भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।

जीएसटी नेक्स्ट जेनरेशन 2.0 कार्यशाला को संबोधित करते हुए जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की नेतृत्व वाली सरकार ने जीएसटी नेक्स्ट जेनरेशन 2.0 ऐतिहासिक फैसला लिया है आप सभी जानते हैं इसे आमजन मानस के जीवन में एक ऐतिहासिक बदलाव आएगा ।

भाजपा जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने कहा कि 1 जुलाई 201। को जीएसटी लागू होने से पहले

तक भारत में 17 प्रकार के टैक्स और 13 प्रकार के सेस लागू थे। इसके अलावा राज्य सरकारें भी मनमाने ढंग से कभी भी कोई भी कर आरोपित कर देती थी। पिछले वर्ष 12 लाख सालाना की आय पर टैक्स नहीं लागू करने का निर्णय लेने के बाद अब जीएसटी में चार स्लैब के बदले दो ही स्लैब रखने, सभी उपयोगी वस्तुओं पर कर शून्य करने और अनेक उत्पादों में कर 10 प्रतिशत तक कम कर देने से अब वास्तव में भारतीय अर्थव्यवस्था अब जनता के लिए रामराज्य लाने वाला साबित होगा।

जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राष्ट्र हित में बड़े-बड़े फैसले लेने की ताकत रखते हैं। कोई भी फैसला होता है तो उसमें टैक्स का बेस बढ़ता है। टैक्स का पैसा या तो सरकार की जेब में जाता है या फिर जनता की जेब में जाता है। सरकार अब अपने जेब में न लेकर जीएसटी में बदलाव करके जनता की जेब में पैसा डाल रही है। जनता की जेब में पैसा जाने से उनकी खरीदी करने की क्षमता बढ़ती है।

आज भारतीय जनता पार्टी अपने सर्वोच्च शिखर की ओर अग्रसर है और उसका श्रेय जाता है हमारे भारतीय जनता पार्टी के मार्गदर्शक जनसंघ संस्थापक सदस्य डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी को जनसंघ की स्थापना थी तब जनसंघ प्रतीक चिन्ह दिया था तब लोग कहते थे कि दिया में तेल नहीं सरकार चलाना खेल नहीं लेकिन भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने अपने खून से दिए को प्रज्वलित करके रखा और दिए आज कमल के फूल के रूप में पूरे हिंदुस्तान में मिला हुआ है आप सभी का सौभाग्य है कि हम भारतीय जनता पार्टी के कार्यकरता है मैं आप सभी से आहवन करता हूं कि नेक्स्ट जेनरेशन जीएसटी 2.0 के फायदे को आम जनमानस के बीच लेकर जाएं । जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने कहा कि आज हमारा देश आत्मनिर्भर बनने के मार्ग पर अग्रसर है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व वाली सरकार ने कई ऐसे जनहित कार्य निर्णय लिए हैं जिसके दूरगामी परिणाम स्वरूप आज हमारा देश आत्मनिर्भर बन रहा है आज उद्योग के क्षेत्र पर देखें रक्षा के क्षेत्र पर देखें कृषि के क्षेत्र पर देखें अंतरिक्ष क्षेत्र पर देखें तो हमारा देश आत्मनिर्भर बन चुका है कोई समय था हमारा देश आयातक देश की श्रेणी पर आता था पर आज हम निर्यातक देसो की श्रेणी में खड़े हैं रक्षा के क्षेत्र में भी हम निर्यातक बन चुके हैं कोई समय था कि हम देश युद्ध के लिए हथियारों की खरीदी के लिए दूसरे देश पर निर्भर रहते थे पर आज हम स्वयं हथियारों का निर्माण कर रहे हैं और दूसरे देशों को भेज भी रहे हैं 7 जब 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री पद के रूप में शपथ ली थी तब हमारा देश की आर्थिक व्यवस्था विश्व में 14 स्थान पर थी पर उनके कुशल नेतृत्व में आज हमारा देश विश्व की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में पूरे विश्व में खड़ा है और उसका श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को जाता है आप सभी से आग्रह करता हूं आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान कार्यक्रम को सफल बनाते हुए देश को आत्मनिर्भर बनाने में सहभागिता सुनिश्चित अवश्य करें

आयोजित कार्यशाला को जिला भाजपा उपाध्यक्ष राजीव पांडेय, युवा मोर्चा प्रदेश कार्य समिति सदस्य नितेश साहू एवं अध्यक्षीय उद्बोधन मंडल भाजपा अध्यक्ष महेंद्र लोढा ने दिया ।आयोजित कार्यशाला का संचालन राकेश दुग्गड ने किया आयोजित कार्यशाला में गणेश निर्मलकर लीलाधर पाल विक्रम सिंह ठाकुर ईश्वर देवांगन कुलवंत भाटिया आदिति खरिया हेमंत नेमा कुंदन साहू सहित भारतीय जनता पार्टी के मंडल के पदाधिकारी कार्यकर्ता उपस्थित रहे

बीडब्ल्यूएफवर्ल्ड जूनियर चैंपियनशिप 2025 : मज़बूत भारत अपने घरेलू मैदान पर ऐतिहासिक प्रदर्शन के लिए तैयार

गुवाहाटी: उन्नति हुड्डा और रक्षिता श्री जैसी अनुभवी खिलाड़ियों की मौजूदगी और एक मौजूदा और पूर्व जूनियर विश्व नंबर 1 खिलाड़ी सहित एक मज़बूत लाइन-अप के साथ मेज़बान भारत सोमवार से यहाँ नेशनल सेंटर में शुरू हो रही बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड जूनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप में ऐतिहासिक प्रदर्शन के लिए तैयार है। बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड जूनियर चैंपियनशिप 17 साल के अंतराल के बाद भारत लौटी है और 6 से 19 अक्टूबर तक दो चरणों में खेली जाएगी। पहले चरण में 36 टीमें मिश्रित टीम चैंपियनशिप में प्रतिष्ठित सुहांदिनाता कप के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी। उसके बाद आई-लेवल कप के लिए व्यक्तिगत चैंपियनशिप होंगी। भारत ने चैंपियनशिप के इतिहास में अब तक कुल 11 व्यक्तिगत पदक जीते हैं, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2008 में पुणे में स्वर्ण और कांस्य पदक जीतने के रूप में रहा है। मौजूदा भारतीय दल में इस संख्या को पार करने और मिश्रित टीम पदक जीतने की क्षमता है, जिसका श्रेय टीम की मज़बूती को जाता है और इसने मेज़बान टीम को चैंपियनशिप में दूसरी वरीयता दिलाने में मदद की है। ग्रुप-एच में संयुक्त अरब अमीरात, श्रीलंका और नेपाल के साथ, भारत इस ग्रुप में शीर्ष पर रहने और नए शुरू किए गए बेस्ट-ऑफ़-थ्री सेट रिले-स्कोरिंग फ़ॉर्मेट में पदक के लिए चुनौती पेश करने का प्रबल दावेदार है। इसमें प्रत्येक सेट में 45 अंकों की रेस होगी। बीएआई के महासचिव संजय मिश्रा ने कहा, बीएआई द्वारा गुवाहाटी में होने वाली जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप की तैयारी के लिए खिलाड़ियों को पर्याप्त प्रशिक्षण दिए जाने के कारण पिछले कुछ वर्षों से हम जूनियर स्पर्धाओं में काफी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। इस बार भी हमें कई पदकों की उम्मीद है क्योंकि टीम के अधिकांश सदस्य पिछले एक साल से इसी स्थान पर प्रशिक्षण ले रहे हैं। भारत अपने अभियान की शुरुआत सोमवार को नेपाल के खिलाफ करेगा। उसके बाद मंगलवार को श्रीलंका और बुधवार को संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ मैच खेलेगा। भारत अपने ग्रुप में शीर्ष पर रहने का प्रबल दावेदार है और इसके बाद नॉक-आउट चरण में भारत का सामना पूर्व चैंपियन दक्षिण कोरिया से हो सकता है। इसके ग्रुप जी में शीर्ष पर रहने की उम्मीद है, और उनके खिलाफ जीत मेजबान टीम को ऐतिहासिक पदक की गारंटी दे सकती है।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर, तहसील व जिला दुर्ग

-:: ईश्तहार ::

(रा.प्र.क. 202509101000076/अ/6 वर्ष 2024-25)

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि इस न्यायालय का रा.प्र.क्र. 202509101000076/अ-6/वर्ष 2024-25 में आवेदिका/आवेदक श्यामली चंदेल पति गणेश कुमार चंदेल निवासी न्यू कृष्णा नगर, सुपेला भिलाई द्वारा ग्राम कोहका प.ह.न. 45 रा.नि.मं. कोहका तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि खसरा नं. 4334 रकबा 0.030 हे. है। जो भूमिस्वामी हरि मोहन पिता स्व. तारा किंकर सुशील के नाम पर दर्ज है। जिसमें भूमिस्वामी हरि मोहन पिता स्व. तारा किंकर सुशील एवं निहार सुशील पति हरि मोहन सुशील की मृत्यु दिनांक 20/01/2012, 01/03/2019 को फौत हो जाने के कारण मृतक का नाम खाते से विलोपित कर शेष खातेदारों का नाम यथावत रखे जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है

अत: उपरोक्त भूमि फौती नामांतरण किये जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति वा उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 03/10/2025 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 09/09/2025 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

मुहर

!! न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग !!

:: उदघोषणा ::

रा0प्र0क्र0/20250900700167/अ-06/वर्ष 2024-25

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता आवेदक मन्नूलाल पिता बुद्धू लाल निवासी मिलपारा दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम कसारीडीह तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं 16/12 रकबा 0.2000 हे. (720 वर्गफीट) भूमि जो कि आवेदक एवं अन्य सहखातेदार के नाम पर शामिलात रूप से वर्तमान राजस्व अभिलेख में दर्ज है। आवेदित भूमि का सभी खातेदारों के मध्य रजिस्टर्ड बंटवारानामा दिनांक 25/07/2025 को किया गया है। उक्त रजिस्टर्ड बंटवारानामा के आधार पर नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 17/10/25 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा ।

आज दिनांक 26/09/25 को यह उद?घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया ।

जारी दिनांक 26/09/25
पेशी दिनांक 17/10/25

तहसीलदार
दुर्ग (छ.ग.)

मुहर

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर, तहसील व जिला दुर्ग

-:: ईश्तहार ::

(रा.प्र.क. 202509101000218/अ/6 वर्ष 2024-25)

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि इस न्यायालय का रा.प्र.कं. 202509101000218/अ-6/वर्ष 2024-25 में आवेदिका/आवेदक रोहित कुमार गंधर्व पिता विदेशी राम गंधर्व निवासी - सुभाष नगर राम नगर सुपेला भिलाई द्वारा ग्राम कोहका प.ह.न. 45 रा.नि.मं. कोहका व जिला दुर्ग स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि खसरा नं. 812 रकबा 0.03 हे. है। जो भूमिस्वामी श्रीमती भानवती पति विदेशी राम के नाम पर दर्ज है। जिसमें भूमिस्वामी श्रीमती भानवती पति विदेशी राम एवं विदेशी राम आ. सुधारण की मृत्यु दिनांक 17/06/2019, 02/02/1990 को फौत हो जाने के कारण मृतक का नाम खाते से विलोपित कर उसके वैध वारिसानो का नाम दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अत: उपरोक्त भूमि फौती नामांतरण किये जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 21/10/2025 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 25/09/2025 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

मुहर

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर, तहसील व जिला दुर्ग

-:: ईश्तहार ::

(रा.प्र.के. 202509101000219/अ/6 वर्ष 2024-25)

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि इस न्यायालय का रा.प्र.कं. 202509101000219/अ-6/वर्ष 2024-25 में आवेदिका/आवेदक सुखित राम निषाद आ. स्व. कुंवर सिंह निषाद निवासी कोहका भिलाई द्वारा ग्राम कोहका प.ह.न. 45 रा.नि.मं. कोहका व जिला दुर्ग स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि खसरा नं. 606/1 रकबा 0.02 हे./2175 वर्गफीट है। जो भूमिस्वामी कुंवर सिंह निषाद पिता शोभाराम निषाद एवं अन्य के नाम पर शमिलाात खाते में दर्ज है। जिसमें भूमिस्वामी कुंवर सिंह निषाद आ. शोभाराम एवं रामबाई पति स्व. कुंवर सिंह निषाद की मृत्यु दिनांक 17/07/2012 , 18/10/2007 को फौत हो जाने के कारण मृतक का नाम खाते से विलोपित कर उसके वैध वारिसानो का नाम दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अत: उपरोक्त भूमि फौती नामांतरण किये जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 21/10/2025 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 25/09/2025 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

मुहर

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी एवं उपवनमंडलाधिकारी दल्लीराजहरा (मुख्यालय दल्लीराजहरा)

वाहन राजसात कार्यवाही की सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि डौण्डीलोहारा परिक्षेत्र अंतर्गत दिनांक 20.05.2025 को उड़नदस्ता दल वनमंडल बालोद द्वारा गश्त के दौरान शाम 7.30 बजे ग्राम गोटीटोला में माटरी से हितकसा मुख्य मार्ग के पास एक महिन्द्रा पिकअप वाहन क्रमांक CG05D-0220 द्वारा राष्ट्रीयकृत वनोपज सागौन लव्वा 07 नग = 0.511 घ.मी. को अवैध परिवहन करते अभिग्रहित किया गया है। जिसका वन अपराध प्रकरण क्रमांक 64/19 दिनांक 20.05.2025 पंजीबद्ध किया गया है।

वाहन राजसात की कार्यवाही का प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में विचाराधीन है। वाहन मालिक / हितबद्ध व्यक्ति को इस सूचना के माध्यम से सूचित किया जाता है कि सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय दल्लीराजहरा (मुख्यालय दल्लीराजहरा) में कार्यालयीन समय में वाहन के संबंध में पक्ष प्रस्तुत करें, समयावधि समाप्त होने के पश्चात् एकपक्षीय कार्यवाही करते हुये वाहन को शासन के पक्ष में राजसात कर दिया जायेगा।

दिनांक :- 29.09.2025

जी-252603908/2

प्राधिकृत अधिकारी एवं
उपवनमंडलाधिकारी
दल्लीराजहरा

संक्षिप्त-खबर

महर्षि वाल्मीकि देवभाषा विकास समिति छत्तीसगढ़ द्वारा महर्षि वाल्मिकी जयंती का आयोजन 07 अक्टूबर को ग्राम झीट में होगा

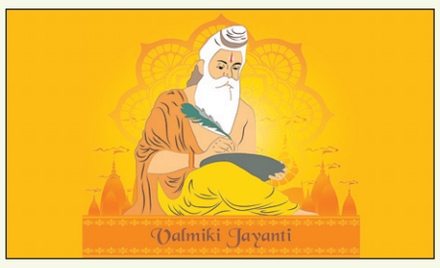

पाटन (समय दर्शन)। महर्षि वाल्मीकि देवभाषा विकास समिति छत्तीसगढ़ द्वारा महर्षि वाल्मिकी जयंती का आयोजन 07 अक्टूबर को ग्राम झीट में किया जा रहा है। कार्यक्रम रामायण मंच न्यू बाजार चौक में होगा। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ भूपेश बघेल होंगे। अध्यक्षता मोहन साहू वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं लोक कलाकार करेंगें ।विशेष अतिथि तुलसी अंशु रजक पूर्व जनपद सदस्य , विष्णु सिन्हा पूर्व सरपंच होंगे। 07 अक्टूबर को ।11.00 से 1.00 तक संगोष्ठी होगी जिसमें प्रतिभागी -डॉ सुरेश शर्मा पूर्व अध्यक्ष संस्कृत विद्या मंडलम, छत्तीसगढ़, बी. पी. चक्रधर रिटायर्ड संयुक्त कलेक्टर होंगे। इसके बाद दोपहर 1। से 3 बजे तक नंद कुमार साहू रामायण मंडली ग्राम खैरझिटी, जिला महासमुंद, 3 से 4 बजे तक श्री सिद्धिविनायक मानस परिवार बठेना, पाटन, जिला दुर्ग, शाम 4 से 6 बजे तक स्थानीय मानस मंडली द्वारा मानस गायन, शाम 6 से 8 बजे तक श्री रामकिंकर परिषद परिवार चरोदा भिलाई श्रीमान सिंह पटेल द्वारा, रात्रि 8 बजे से नृत्य नाटिका, छत्तीसगढ़ में राम छत्तीसगढ़ में राम वन गमन पर आधारित प्रस्तुत किया जाएगा जिसके लेखक / निर्देशक /गीत/संगीत राकेश तिवारी तथा कवित्व संवाद डॉक्टर सुरेश शर्मा करेंगें ।

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव : जिला जेल मुंगेली में विशेष संगोष्ठी का आयोजन, कैदियों को मिला कानूनी जागरूकता एवं सामाजिक बदलावों का ज्ञान

मुंगेली(समय दर्शन) छत्तीसगढ़ रजत वर्ष के अवसर पर जिला जेल मुंगेली में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर लीगल एड डिफेंस काउंसिल मुंगेली के चीफटीकम चंद्राकर द्वारा राज्य के निर्माण के समय से लेकर अब तक हुए संवैधानिक एवं सामाजिक बदलावों पर विस्तृत जानकारी दी गई। राज्य निर्माण के 25 वर्षों में हुए विकास एवं परिवर्तन पर भी विस्तार से प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में सहायक जेल अधीक्षक सुश्री ममता पटेल ने बताया कि कलेक्टर कुन्दन कुमार एवं जेल प्रशासन के निर्देशानुसार समय-समय पर इस प्रकार की शैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन किया जाता है ताकि कैदियों को कानूनी एवं सामाजिक सुधार की दिशा में जागरूक किया जा सके।उन्होंने कहा कि यह पहल कैदियों के पुनर्वास की दिशा में एक सकारात्मक कदम है और भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम निरंतर जारी रहेंगे।

पापड़ी देने में देरी पर दो बदमाशों ने किया चाकू से हमला

दुर्ग। छत्तीसगढ़ के दुर्ग शहर में देर रात एक मामूली विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। गंजपारा चौक इलाके में गुपचुप बेचने वाले एक युवक को सिर्फ पापड़ी देने में कुछ मिनटों की देरी करना महंगा पड़ गया। दो बदमाशों ने देर से पापड़ी देने पर युवक पर चाकू से हमला कर दिया और मौके से फरार हो गए। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और घायल युवक को अस्पताल में भर्ती कराया गया। यह पूरा मामला दुर्ग कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत गंजपारा चौक गेट नंबर-2 का है। जानकारी के मुताबिक, अनिल वर्मा नाम का युवक रात करीब 10:30 बजे अपने ठेले पर गुपचुप बेच रहा था। तभी दो युवक वहां पहुंचे और उससे पापड़ी देने की मांग की। उस समय अनिल कुछ ग्राहकों को परोस रहा था, इसलिए उसने उनसे कहा कि 'पांच मिनट बाद दे दूंगा।' बस, इतनी सी बात पर एक युवक भड़क उठा और विवाद करने लगा। गुस्से में आए आरोपी ने अपनी जेब से चाकू निकाला और अनिल की छाती पर वार कर दिया। हमले के बाद अनिल जमीन पर गिर पड़ा। इस दौरान उसका दामाद दीपक वर्मा मदद के लिए दौड़ा, लेकिन दूसरे युवक ने उस पर भी हमला करने की कोशिश की। दोनों आरोपी हमले के बाद मौके से भाग निकले। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने घायल अनिल को जिला अस्पताल दुर्ग में भर्ती कराया।

राष्ट्रीय मॉडर्न पेंटाथलॉन में जिले के 08 खिलाड़ी होंगे शामिल

- राष्ट्रीय मॉडर्न पेंटाथलॉन इंदौर में भोरिंग, तुमगांव के 08 खिलाड़ी शामिल

महासमुन्द (समय दर्शन)। मॉडर्न पेंटाथलॉन ऑफ इंडिया एवं मध्य प्रदेश मॉडर्न पेंटाथलॉन एसोसिएशन द्वारा नेशनल मॉडर्न पेंटाथलॉन चैंपियनशिप 2025 का आयोजन इंदौर मध्य प्रदेश में दिनांक 5 से 7 अक्टूबर तक आयोजित किया गया हैं।

चैंपियनशिप में छत्तीसगढ़ राज्य से 20 खिलाड़ी एवं महासमुंद जिले के भोरिंग, तुमगांव से 08 खिलाड़ी भागीदारी करने शुक्रवार को इंदौर के लिए रवाना हुए, जिसमें अभिषेक निर्मलकर पिता विजय कुमार निर्मलकर, अभिषेक नेहरू पिता सुनील नेहरू, जगदीश धीवर, पिता पुरन लाल धीवर, ममता धीवर पिता पुरन लाल धीवर, गीतांजलि साहू पिता अश्वनी साहू, मनीष ढीढ़ी पिता उदे श्याम ढीढ़ी , निवेश मन्नाडे पिता हीरा लाल मन्नाडे, आर्यन प्रधान पिता वीरेंद्र प्रधान एवं प्रशिक्षक सुनील पॉल व दिलीप विश्वकर्मा शामिल होंगे। नेशनल मॉडर्न पेंटाथलॉन में शामिल होने पर विधायक महासमुंद योगेश्वर राजू सिंहा, कलेक्टर विनय कुमार लंगेह, सीईओ हेमंत नंदनवार, अपर कलेक्टर रवि साहू, शिक्षा अधिकारी विजय कुमार लहरें, खेल अधिकारी खेल एवं युवा कल्याण महासमुंद मनोज धृतलहरे, एथलेटिक्स संघ अध्यक्ष पंकज चंद्राकर, सचिव डॉ. सुनील कुमार भोई, प्रमोद ठाकुर, दिलीप, रवि धनगर, हर्ष शर्मा, जितेंद्र चंद्राकर, राकेश प्रधान, टी. निंगराज रेड्डी, दिनेश तांडी, जगदीश धीवर, लिशांसु साहू, शुभांश शर्मा, ओंकार निषाद समस्त जिला संघ एवं खिलाड़ियों ने शुभकामनाएं दीं।

मुस्लिम समुदाय ने पंजाब बाढ़ पीड़ितों के लिए जुटाए 3.11 लाख रुपये, गुरुद्वारे में सौंपा डीडी

दंतेवाड़ा रायगढ़ (समय दर्शन)। सीरतुन्नबी कमेटी, रायगढ़ की अपील पर शहर के मुस्लिम समुदाय ने पंजाब के बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए 3,11,786 रुपये (तीन लाख ग्यारह हजार सात सौ छियासी रुपये) की राशि एकत्र की। पिछले महीने पंजाब में आई भीषण बाढ़ ने वहां के लोगों को भारी नुकसान पहुंचाया, जिसमें खेती, कारोबार, घर और दुकानों को व्यापक क्षति हुई। इस संकट की घड़ी में रायगढ़ के मुस्लिम भाइयों ने पंजाब के पीड़ितों के दर्द को समझते हुए उदारता के साथ सहयोग किया।

सीरतुन्नबी कमेटी के अध्यक्ष हाजी शेख मुबस्सिर हुसैन ने अपनी टीम के साथ बैठक कर यह निर्णय लिया कि रायगढ़ में बाढ़ प्रभावितों के लिए अधिक से अधिक धनराशि एकत्र की जाए। इस पहल को समुदाय का भरपूर समर्थन मिला। शहर की सभी मस्जिदों में जुम्मा नमाज के बाद इमामों ने लोगों से फंड जमा करने की अपील की।

एकत्रित राशि को जरूरतमंदों तक पहुंचाने के लिए 3,11,786 रुपये का बैंक ड्राफ्ट (डीडी) तैयार किया गया और रायगढ़ गुरुद्वारे में श्री गुरुसिंह सभा के अध्यक्ष महेंद्र सिंह राजपाल, सचिव हर्ष पाल बग्गा, उपाध्यक्ष सतपाल बग्गा, उपाध्यक्ष प्रीतपाल सिंह मल्होत्रा और संरक्षक हरमीत सिंह घई को सौंपा गया।

इस अवसर पर हाजी शेख मुबस्सिर हुसैन (अध्यक्ष, सीरतुन्नबी कमेटी), मोहम्मद आवेश (अध्यक्ष, जामा मस्जिद), हाजी शेख अब्दुल्लाह (अध्यक्ष, मस्जिद गरीब नवाज), वसीम खान (अध्यक्ष, सुन्नी मक्का मस्जिद), मोहम्मद शमशीर, फारूक भाई, इम्तियाज हुसैन, मोहम्मद अयूब, हसन अली, फरीद साबरी, सैयद साबिर, इकबाल भाई सहित मुस्लिम समुदाय के अन्य प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

यह पहल रायगढ़ के मुस्लिम समुदाय की एकजुटता और मानवता के प्रति उनकी संवेदनशीलता को दर्शाती है।

राज्य स्तरीय कबड्डी (महिला)प्रतियोगिता में बसना कॉलेज के आकांक्षा भोई का चयन

बसना (समय दर्शन)। सेक्टर स्तरीय कबड्डी (महिला) प्रतियोगिता का आयोजन शासकीय मिनीमाता कन्या महाविद्यालय बलौदा बाजार में पिछले 26 सितंबर को संपन्न हुआ था जिसमें स्व. श्री जयदेव सतपथी शासकीय महाविद्यालय बसना के छात्राओं की टीम ने भी इस कबड्डी प्रतियोगिता में भाग लिया था। बसना महाविद्यालय की बी. ए. अंतिम वर्ष की छात्रा आकांक्षा भोई का चयन राज्य स्तरीय कबड्डी (महिला) प्रतियोगिता में किया गया है । इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुरेंद्र कुमार साव , क्रीड़ा प्रभारी विजय कठाने , सभी सहायक प्राध्यापकों सहित कार्यालयीन स्टाफ ने भी आकांक्षा भोई को राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में चयनित होने के लिए बधाईयां एवम शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। राज्य स्तरीय कबड्डी (महिला) खेल प्रतियोगिता का आयोजन शासकीय दु. ब. कन्या महाविद्यालय रायपुर में संपन्न होगा जिसमें से चयनित खिलाड़ी रायपुर जाएंगे।

साँकरा मे भव्य पथ संचलन

- संघ का शताब्दी वर्ष राष्ट्र निर्माण की गाथा -राजेश

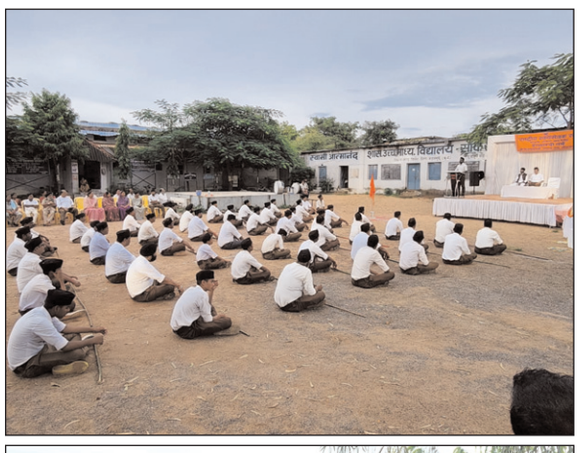

साँकरा (समय दर्शन)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में मंडल सांकरा, खण्ड पिथौरा में शस्त्र पूजन एवं भव्य पथ संचलन का आयोजन किया गया। इस ऐतिहासिक अवसर पर सांकरा मंडल के विभिन्न ग्रामों से आए सैकड़ों स्वयंसेवकों ने भाग लिया। यह क्षण केवल संघ के लिए ही नहीं, अपितु पूरे नगर एवं समाज के लिए भी गर्व का विषय बना। स्वयंसेवकों के घोष की ताल पर कदम से कदम मिलाते हुए नगर का वातावरण राष्ट्रभक्ति से सराबोर हो उठा।

पथ संचलन नगर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरा। मार्ग में जगह-जगह महिलाओं, पुरुषों एवं बच्चों द्वारा पुष्पवर्षा कर स्वयंसेवकों का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। स्वयंसेवकों की अनुशासित चाल, एक समान गणवेश ने नगरवासियों को प्रभावित किया।

संचलन के उपरांत आयोजित सभा में मुख्य अतिथि के रूप में राजेश साव (पत्रकार एवं साहू समाज परिक्षेत्र सचिव), मुख्य वक्ता के रूप में गुलाब ठाकुर (जिला महाविद्यालयीन कार्य प्रमुख) तथा बोधीराम चौधरी (खण्ड संघ चालक) मंचासीन रहे।

मुख्य अतिथि राजेश साव ने कहा कि संघ का शताब्दी वर्ष राष्ट्र निर्माण में संघ के सतत कार्य, अनुशासन और समर्पण का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि संघ की प्रेरणा से समाज में एकता, संस्कार एवं राष्ट्रभक्ति की भावना निरंतर सशक्त हो रही है।

मुख्य वक्ता गुलाब ठाकुर ने अपने उद्बोधन में 'संघ पंच परिवर्तन' तथा संघ के समृद्ध इतिहास पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि संघ शताब्दी वर्ष में सात विशेष कार्यों को लेकर समाज में व्यापक जनजागरण का अभियान चला रहा है ।

उन्होंने बताया कि संघ भारत में सांस्कृतिक जागरण और सामाजिक सद्भाव के लिए निरंतर कार्यरत है। संघ के विभिन्न प्रेरणादायी संगठन — विद्या भारती, सेवा भारती, ग्राम भारती, क्रीड़ा भारती, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, विश्व हिंदू परिषद, दुर्गा वाहिनी एवं राष्ट्रीय सेविका समिति जैसे संगठनों के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों को जोड़ने का कार्य कर रहे हैं। स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर आज तक के 100 वर्षों में संघ ने सामाजिक कुरीतियों को दूर करने, युवाओं को राष्ट्रनिर्माण के लिए प्रेरित करने और समाज को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। शताब्दी वर्ष का यह उत्सव संघ की इसी गौरवशाली यात्रा का प्रतीक है।

इस कार्यक्रम में राजिम विभाग से नंद कुमार साहू, जिला के विवेक दीक्षित एवं पिथौरा खण्ड की कार्यकारिणी उपस्थित रही, जिनमें टिकेंद्र साहू, कृष्ण कुमार शर्मा, चंद्रशेखर नायडू, प्रकाश चंद्र वर्मा शामिल थे एवं सहभागी मंडल मेमरा, सलडीह, परसवानी, भगतदेवरी के स्वयंसेवक एवं नगर के अनेक गणमान्य नागरिक एवं मातृशक्ति की उपस्थिति रही।

यह जानकारी पिथौरा खण्ड कार्यवाह प्रेमसागर साहू, हितेश प्रधान एवं सांकरा मंडल कार्यवाह कमलेश डडसेना द्वारा दी गई।

पाटन के ग्राम पंचायत सांकरा में गूंजेगी गायत्री मंत्र, दो पांच कुंडिय गायत्री यज्ञ 11 और 12 अक्टूबर को होगा आयोजन

पाटन (समय दर्शन)। पांच कुण्डीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन 11 एवं 12 अक्टूबर को किया जा रहा है। इस महायज्ञ में ग्राम पंचायत के युवा सरपंच रवि सिंगौर का विशेष सहयोग है। ग्रामवासी बड़ी संख्या में उपस्थित होकर अपने जीवन को धन्य बनाने का अवसर प्राप्त करेंगे। आपको बता दें पांच कुण्डीय गायत्री महायज्ञ यह एक धार्मिक आयोजन है, जिसमें गायत्री मंत्र का जाप किया जाता है। ग्राम पंचायत के युवा सरपंच रवि सिंगौर के नेतृत्व में यह आयोजन सफलतापूर्वक किया जा रहा है। ग्राम के युवक-युवतियों सहित समस्त ग्रामवासी बड़ी संख्या में उपस्थित रहेंगे और महायज्ञ का लाभ उठाएंगे। इस प्रकार के आयोजनों से ग्रामवासियों को धार्मिक और सांस्कृतिक रूप से जोड़ने का अवसर मिलता है।

प्रदर्शनी में स्वदेशी उत्पादों ने लोगों को किया खासा आकर्षित, जनप्रतिनिधियों ने आत्मनिर्भर महिलाओं का बढ़ाया हौसला

- कैट की दुर्ग जिला महिला इकाई के प्रदर्शनी में उमड़ी लोगों की भीड़

दुर्ग (समय दर्शन)। देश की सबसे बड़ी व्यापारी संगठन कॉफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) की दुर्ग जिला महिला इकाई द्वारा स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने एवं महिलाओं को स्वालंबन से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से आयोजित दीपावली एग्जिबिशन में रविवार को लोगों की बड़ी संख्या में भीड़ जुटी। दीपावली एग्जीबिशन में दुर्ग भिलाई की महिलाओं द्वारा कुल 44 स्टाल लगाए गए । स्टॉल में उनके स्वदेशी, पारंपरिक व फैंसी उत्पादों को लोगों ने खूब पसंद किया। स्टॉलों में धान व सुतली से निर्मित ज्वेलरी, हर्बल हेयर ऑयल, साबुन, परफ्यूम, कपड़े, चादर, गर्म कपड़े, भगवान के पोशाक, हेण्डीक्राफ्ट, हैंड बैग, मिट्टी व गोबर के दिए, रंगोली डिजाइनर, आचार, पापड़, मुखवाश, मैगी, तिल-गुड़ के लड्डू, टेटरी, खुरमी के अलावा अन्य स्वनिर्मित उत्पादों ने लोगों को खासा आकर्षित किया,वहीं छत्तीसगढ़ी व्यंजन फरा-चिला, टेटरी खुरमी, गुपचुप का लोगों ने जमकर लुत्फ उठाया। इसके अलावा मनोरंजक गेम का खूब आनंद लिया। इस एग्जीबिशन ने दीपावली पूर्व शहर में रौनक बढ़ा दी है।

जिससे एग्जीबिशन स्थल सिटी सेंटर मॉल, फरिश्ता कॉम्प्लेक्स के पास देर शाम तक लोगों की भीड़ रही। दीपावली एग्जीबिशन का सांसद विजय बघेल और महापौर अलका बाघमार ने दीप प्रज्जवलित कर उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने ने एग्जीबिशन का निरीक्षण किया और महिलाओं के उत्पादों की सराहना की। इसके अलावा आरएसएस के पूर्व छत्तीसगढ़ प्रमुख बिसराराम यादव, जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक,

एमआईसी सदस्य नीलेश अग्रवाल, भाजपा मंडल अध्यक्ष महेंद्र लोढ़ा, दुर्ग रेंज के आईजी रामगोपाल गर्ग, पूर्व विधायक अरुण वोरा, पूर्व महापौर धीरज बाकलीवाल, पूर्व सभापति राजेश यादव, श्री साई मंदिर समिति के अध्यक्ष श्रीकांत समर्थ, चैंबर ऑफ कॉमर्स के प्रदेश महामंत्री अजय भसीन, उपाध्यक्ष अशोक राठी, प्रहलाद रुंगटा,कैट दुर्ग जिला अध्यक्ष प्रकाश सांखला, महामंत्री प्रकाश गोलछा, कैट चैयरमैन पवन बड़जात्या, संजय चौबे, कैट संभाग प्रभारी मोहम्मद अली हिरानी, चेंबर दुर्ग इकाई महामंत्री कुलदीप सिंह, कैट युवा इकाई अध्यक्ष रवि केवलतानी, महामंत्री आशीष खंडेलवाल के अलावा अन्य जनप्रतिनिधि, व्यापारी और प्रशासनिक अधिकारियों ने शामिल होकर महिलाओं का हौसला बढ़ाया। यह एग्जीबिशन कैट की दुर्ग जिला महिला इकाई अध्यक्ष सुश्री पायल जैन के नेतृत्व में आयोजित किया गया। सुश्री जैन ने बताया कि स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने एवं महिलाओं को स्वालंबन से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कैट संगठन लंबे समय से कार्य कर रही है। जिसके अब अच्छे परिणाम आ रहे है, लेकिन ऐसे आत्मनिर्भर महिलाओं को स्वनिर्मित उत्पादों के प्रदर्शन के लिए बड़ा बाजार उपलब्ध नहीं हो पाता है। जिन्हे बाजार उपलब्ध करवाने कैट की महिला विंग लगातार मेला व प्रदर्शनी का आयोजन कर रही है। पूर्व में भी मेला व प्रदर्शनी का आयोजन किया गया था। जिसमें महिलाओं के उत्पादों को अच्छा रिस्पांस मिला था। यह मेला व प्रदर्शनी महिलाओं के आर्थिक विकास में बड़ा मददकारी साबित हो रहा है। दीपावली एग्जिबिशन के दौरान कैट की दुर्ग जिला महिला इकाई अध्यक्ष सुश्री पायल जैन, महामंत्री गूंजा पींचा, चेयरमैन तृप्ति सिंह संरक्षक शारदा गुप्ता, विनीता गुप्ता, उपाध्यक्ष नीति बल्लेवार, विनीता शर्मा, सचिव नमिता शर्मा, कोषाध्यक्ष अमीना हिरानी, डेविड सरीन, सहसचिव प्रतिभा पुरोहित, कैट कार्यकारी अध्यक्ष नेहा खंडेलवाल, प्रीति सोनी, प्रतीका चौहान, शशि सोनी के अलावा सहयोगी संस्था कैट युवा विंग व स्वावलंबी भारत अभियान के सदस्य व्यवस्था बनाने में सक्रिय रहे।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26